मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 206
मंगलवार, 11 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

जल्द से जल्द जनगणना कराई जाए, ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून का लाभ मिले: सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 10 फरवरी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग उठाई ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ मिल सके। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा पेश किया गया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसका उद्देश्य 140 करोड़ आबादी के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

उन्होंने कहा कि इस कानून ने लाखों कमजोर परिवारों को भुखमरी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर कोविड 19 महामारी के संकट के दौरान तथा साथ ही इसी अधिनियम ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को आधार प्रदान किया। गांधी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीणों के साथ ही 50 प्रतिशत शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार

है। उन्होंने कहा कि हालांकि लाभार्थियों के लिए कोटा अब भी 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो अब एक दशक से अधिक पुरानी है।उन्होंने कहा, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार जनगणना में 4 साल से अधिक की देरी हुई है। मूल रूप से यह 2021 के लिए निर्धारित थी लेकिन अब भी इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि जनगणना कब आयोजित की जाएगी। गांधी ने कहा कि बजट आवंटन से पता चला है कि जनगणना इस वर्ष भी आयोजित किए जाने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, इस प्रकार लगभग 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत उनके उचित लाभों से वंचित किया जा रहा है।

यह जरूरी है कि सरकार जल्द से जल्द जनगणना पूरा करने को प्राथमिकता दे और यह सुनिश्चित करे कि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ प्राप्त हों।

उन्होंने कहा, खाद्य सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है, एक मौलिक अधिकार है।

आस्था का महासंगम है महाकुंभ: पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड, 10 फरवरी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को महाकुंभ नगर पहुंचे और उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया। साथ ही वह सेक्टर आठ में चल रहे ज्ञान महाकुंभ में भी शामिल हुए।

सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, प्रयागराज पहुंचने पर धामी ने कहा, महाकुंभ, आस्था का महासंगम है। हमारे देश के करोड़ों लोग यहां पवित्र संगम में स्नान कर रहे हैं। हम मां गंगा, यमुना और सरस्वती से प्रार्थना करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर समृद्धि और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने यहां स्थापित उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया और उत्तराखंड मंडपम में आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की एवं उनका हालचाल जाना। उन्होंने श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी सुविधा को लेकर संतोष जताया। बयान के मुताबिक, धामी ने सेक्टर-आठ, प्रयागवाल मार्ग पर आयोजित ज्ञान महाकुंभ में भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धार्मिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विमर्शों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित यह ज्ञान महाकुंभ निश्चित रूप से हमारी आने वाली नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को एक नई दिशा देने का कार्य करेगा। प्रयागराज की पवित्र धरा पर हो रहे ज्ञान महाकुंभ में शैक्षिक प्रदर्शनी, संगोष्ठियां, छात्र, महिला और आचार्य सम्मेलन जैसे विभिन्न आयोजनों के माध्यम से युवाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना को जागृत किया जा रहा है। उन्होंने 2027 में हरिद्वार में होने वाले अर्धकुम्भ के लिए सभी को आमंत्रित किया।

अमृतसर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने तीन फरवरी को एक बंद पुलिस चौकी के पास हुए विस्फोट में कथित रुप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके-47 राइफल, दो पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों ने गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर भागने की कोशिश की। इस दौरान, एक आरोपी ने एक पुलिस अधिकारी की पिस्तौल छीनकर गोली चला दी।

जाने वाली है भगवंत मान की सरकार, पंजाब में होंगे मिड टर्म चुनाव: सुखजिंदर सिंह रंधावा

पंजाब, 10 फरवरी। कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को राज्य में मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि दिल्ली में चुनावी हार के बाद आप विधायक बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ देंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करने वाले हैं। इसी को लेकर रंधावा ने कहा कि ये सीएम अब पंजाब में काम

नहीं करेंगे। पंजाब की हालत, अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था सबसे खराब है। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अब उन्हें (आप) समझ आ गया है कि दिल्ली में उनका काम खत्म हो गया है। पंजाब में जल्द ही मध्यावधि चुनाव होंगे और कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उनके (आप) विधायक सभी पार्टियों के संपर्क में हैं। हम सब उनके संपर्क में हैं। मध्यावधि चुनाव होने वाला है। भगवंत मान न कांग्रेस में जाएंगे, न बीजेपी में, घर जाएंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करेंगे। यह बैठक दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप की करारी हार और पार्टी की पंजाब इकाई में बढ़ते असंतोष की अटकलों के बीच हो रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू व सीएम धामी ने महाकुंभ में डुबकी लगाई, सूर्य को दिया अर्घ्य

- मां गंगा, यमुना और सरस्वती की अराधना के बाद अक्षय वट व लेटे हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन किया
- देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की
- राष्ट्रपति के प्रयागराज आगमन पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

सुरेश गांधी

महाकुंभनगर। महाकुंभ मेला के 29वें दिन लाखों भक्त संगम स्नान को उमड़े. सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में तीन डुबकी लगाई. भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। स्नान से पहले मां गंगा को पुष्प अर्पित किए। मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद सभी ने अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया. राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे.

राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी ने स्वागत किया।

वहां से अरैल पहुंचीं, फिर बोट से संगम पहुंचीं और स्नान किया। राष्ट्रपति शाम चार बजे तक प्रयागराज में रहीं। द्रौपदी मुर्मू देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने महाकुंभ में स्नान किया। इससे पहले, 1954 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।

बता दें, त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले राष्ट्रपति ने सबसे पहले पूर्ण आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर पवित्र जल में फूल माला और नारियल अर्पित कर समस्त राष्ट्र की समृद्धि और शांति की मनोकामना की। इसके बाद उन्होंने भगवान सूर्य की अराधना की और अर्घ्य देकर प्रणाम किया।

इसके बाद उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ संगम में एक के बाद एक कई डुबकियां लगाईं। स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। राष्ट्रपति ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी का दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहां मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उन्हें कलावा बांधकर अभिनंदन किया।

यहां से राष्ट्रपति अरैल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया। इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाकुंभ को धार्मिक महापर्व बताते हुए कहा कि संगम में डुबकी लगाना अपने आप में बहुत बड़े धर्म का काम है। धामी ने हरिद्वार में 2027 में होने वाले कुम्भ की तैयारियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार अभी से इसकी तैयारी में जुट गई है। जिससे हरिद्वार कुम्भ भी प्रयागराज की तरह ऐतिहासिक और सुविधाजनक बनाया जा सके। इसी कड़ी में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सांस्कृतिक राजदूत और मल्टीकल्चरल प्रोग्राम के हेड डॉ. आशुतोष मिश्रा अपनी पत्नी श्वेता के साथ भारत आए और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। काशी मूल के दंपति ने इस दौरान कहा कि दुनिया के सबसे बड़े आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं, जो उन्होंने महाकुम्भनगर में दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन किया। ऑस्ट्रेलियाई दंपति अपनी शादी की 25वीं वर्षगांठ मनाने भारत पहुंचे और 144 साल बाद आए महाकुम्भ के गवाह बने।

महाकुंभ का महाजाम विफलता नहीं, आस्थावानों की सुनामी का प्रतिफल है

आलोचकों को खामियां गिनाने के बजाय प्रशासनिक चुनौती को समझने की जरुरत है : डीजीपी

वाराणसी। किसी को दो-चार रोटी की जगह, दस रोटी खिला देंगे, तो अपच होना स्वाभाविक है। कुछ ऐसा ही हाल इन दिनों तीर्थस्थलों का है। प्रयागराज के महाकुंभ में हर कोई डुबकी लगाना चाहता है। हाल यह है जो जिसकी जो क्षमता है, उस हिसाब से निकल पड़ा है। स्थिति यह है कि एक बारगी श्रद्धालुओं की संख्या में क्षमता के सापेक्ष दस गुना वृद्धि हो जाने से परिवहन व्यवस्था चरमराई हुई है। हर सड़के जाम के झाम से कराह रही है। खासकर प्रयागराज महाकुंभ जाने वाली सडकों पर वाहनें चल नहीं बल्कि रेंगने की स्थिति में पहुंच गयी है। महाकुंभ के पलटप्रवाह के चलते काशी, अयोध्या व मॉ विन्ध्यवासिनी धाम की भी यही हाल है। लोगों को सड़क जाम तो हलकान किए हुए ही है, दर्शन-पूजन में भी कतार में खड़े-खडे दिन गुजर रहे है। इस आस्था के जनसमुद्र में उमड़े श्रद्धालुओं की पीड़ा में सहयोग के बजाय, मिल्कीपुर में बुरी हार चुके अखिलेश यादव की गिद्धदृष्टि भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना के बजाय के लाशों को गिनाने में जुटे रहे और अब प्रशासन की नाकामियां गिना रहे है। लेकिन वे भूल गए उनकी सरकार में किस तरह भीड़ को कंट्रोल के लिए लाठियां बरसायी जा रहा थी। बता दें, इस समय चाहे प्रयागराज हो या अयोध्या व काशी महाकुंभ के चलते रेल से

लेकर सडकों तक पर आस्थावानों का रेला उमड़ पड़ा है। स्थिति यह है कि मिजार्पुर, वाराणसी, प्रयागराज व अयोध्या जाने वाली सड़ाकों पर महाजाम लगा हुआ है। शहर के अंदर का हाल यह है कि होटल, लॉज सब हाउसफुल है। सड़कों पर वाहन तो दूर पैदल चलना दूभर हो गया है। मंदिर के रास्ते ठसासठस भरे हुए है। 12-12 घंटे कतार में इंतजार के बाद दर्शन पूजन कर पा रहे है। महाकुंभ में अब तक 43-5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके है। जबकि तीनों प्रमुख अमृत स्नान बीत चाने के बाद अब भी एक से दो करोड़ श्रद्धालु प्रतिदिन डुबकी लगा रहे है। हाल यह है कि इन सभी प्रमुख शहरों में उनकी क्षमता के दस गुना से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से हर तरह की व्यवस्था चरमरा गयी है। इसके बावजूद बिना धैर्य खोंए प्रशासनिक अफसर स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हर संभव कोशिश में जुटे हुए है।

रैदास युगपुरुष और युगस्त्रष्टा सिद्ध संत थे

-ललित गर्ग

संत रविदास जयन्ती- 12 फरवरी, 2025

महामना संत रविदास कहो या रैदास-भारतीय संत परम्परा, भक्ति आन्दोलन और संत-साहित्य के जहां महा-हस्ताक्षर है, वहीं वे अलौकिक-सिद्ध संत, समाज सुधारक, साधक और कवि हैं। दुनियाभर के संत-महात्माओं में उनका विशिष्ट स्थान है। सद्गुरु रामानंद के पारस स्पर्श ने चर्मकार रैदास को भारत वर्ष का महान चमत्कारी एवं सिद्धात्मा संत बना दिया था। वे निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह संत शिरोमणि रैदासजी के द्वारा कहा गया अमर सूक्ति भक्ति दोहा है, जो आज भी भारत के घर-घर में लोकप्रिय है। वे कबीर के समसामयिक कहे जाते हैं। उन्होंने जीवनपर्यन्त छुआछूत, ऊंच-नीच, जातिवाद जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराइयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रैदासजी को जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

रैदासजी ने समता और समरसता की शिक्षा भी दी, और हमेशा दलितों, वंचितों की विशेष रूप से चिंता भी की। स्पष्ट है कि रैदासजी जैसे महान भक्त जाति, क्षेत्र तथा व्यवसाय आदि बंधनों से मुक्त है। इसलिए रैदासजी हर जाति, वर्ग तथा व्यवसाय के लोगों के लिए पूजनीय है। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में रविदासजी ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद के खिलाफ वातावरण बनाया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए रविदासजी ने संजीवनी बूंटी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना रविदासजी के काल में, रविदासजी के ही हाथों, उनकी रचनाओं-विचारों एवं कार्यों से हुई।

रविदासजी के जन्म को लेकर कई मत हैं। लेकिन उनके जन्म पर एक दोहा खूब प्रचलित है- चौदास सो तैंतीस कि माघ सुदी पन्दरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास- इस पंक्ति के अनुसार गुरु रविदास का जन्म माघ मास की पूर्णिमा को रविवार के दिन 1433 को हुआ था। इसलिए हर साल माघ मास की पूर्णिमा तिथि को रविदास जयंती के रूप में

मनाया जाता है जोकि इस वर्ष 12 फरवरी 2025 को है। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है। रविदासजी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के गोवर्धनपुर गाँव में एक मोची परिवार में हुआ था। मध्यकाल की प्रसिद्ध संत मीराबाई भी रविदासजी को अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। रविदासजी ने लोगों को एक नई राह दिखाई कि घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। अपनी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी रविदासजी भक्ति आंदोलन, हिंदू धर्म में भक्ति और समतावादी आंदोलन में एक प्रमुख पुरोधा पुरुष के रूप में उजागर हुए।

जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रैदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित मानवता, समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। जूते बनाने के कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। रैदासजी श्रीराम और श्रीकृष्ण भक्त परंपरा के कवि और संत माने जाते हैं। उनके प्रसिद्ध दोहे आज भी समाज में प्रचलित हैं जिन पर कई धुनों में भजन भी बनाए गए हैं। जैसे, प्रभुजी तुम चंदन हम पानी- इस प्रसिद्ध भजन को सभी गुनगुनाते हैं। क्योंकि उन्होंने कभी धन के बदले आत्मा की आवाज को नहीं बदला तथा शक्ति और पुरुषार्थ के स्थान पर कभी संकीर्णता और अकर्मण्यता को नहीं अपनाया। रैदासजी के उच्च आदर्श और उनकी वाणी, भक्ति एवं अलौकिक शक्तियों से प्रभावित होकर अनेक राजा-रानियों, साधुओं-महात्मा तथा विद्वज्जनों ने उनको सम्मान दिया है। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अंधकारमय था तब संत गुरु रविदास एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे ईश्वर को पाने का एक ही मार्ग जानते थे और वो है भक्ति। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना रविदासजी के सर्वधर्म समभाव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। पवित्रता, मानवीयता, आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता रैदासजी के मुख्य धार्मिक संदेश थे। हिंदू धर्म के साथ ही सिख धर्म के अनुयायी भी गुरु रविदास के प्रति श्रद्धा भाव रखते हैं। यही कारण है कि रविदासजी की 41 कविताओं को सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने पवित्र ग्रंथ आदिग्रंथ या गुरुग्रंथ साहिब में शामिल कराया था। गुरु रविदासजी ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अपने शिष्यों को उच्चतम शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया। रविदासजी कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्त्रष्टा कहलाए। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। रविदासजी ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि जनता सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे। रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक संत थे। एक कथा के अनुसार रविदासजी बचपन में अपने साथियों के साथ खेल रहे थे। उनमें से उन्हें एक साथी अगले दिन खेलने नहीं आता है तो रविदासजी उसे ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच जाते हैं। उसकी मृत्यु हो गई और वे मृत शरीर को देखकर बहुत दुखी होते हैं। और अपने मित्र को बोलते हैं कि उठो ये समय सोने का नहीं है, मेरे साथ खेलो। इतना सुनकर उनका मृत साथी खड़ा हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संत रविदासजी को बचपन से ही आलौकिक शक्तियां प्राप्त थी। संत गुरु रविदास ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या न ही उस पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। रविदासजी शब्दों का महासागर हैं, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। मीराबाई के आमंत्रण पर संत रैदासजी चित्तौड़गढ़ आ गये लेकिन यहां भी उनकी गंगा भक्ति तनिक भी कम नहीं हुई। वहीं पर उनका 120 वर्ष की आयु में निर्वाण हुआ। भारतीय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परिवेश में संत रैदासजी गंगा भक्ति इतिहास में एक अमिट आलेख एवं सुनहरा पृष्ठ है।

क्या मणिपुर में मुख्यमंत्री के त्यागपत्र के बाद हिंसा थम जाएगी?

अशोक भाटिया

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। मणिपुर मुख्यमंत्री का इस्तीफा विधानसभा सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हुआ है। इसने कई अटकलों को भी जन्म दिया है। दरअसल, चर्चा थी कि विपक्ष मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में था।ऐसे में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर इस्तीफे को लेकर काफी दबाव था और विपक्ष लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रहा था। अब जब मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया है, ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि इस्तीफा देने के बाद क्या राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? जब तक नया मुख्यमंत्री नहीं बन जाता, वहां की सरकार कौन चलाता है? इसको लेकर नियम क्या है? आगे बढ़ने के सबसे पहले इसे जानना जरुरी है। भारतीय संविधान में किसी भी राज्य में सरकार चलाने को लेकर कुछ नियम बनाए गए हैं। अगर किसी राज्य का मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देता है तो राज्य का पूरा दायित्व राज्यपाल के पास आ जाता है। ऐसे में राज्यपाल नए मुख्यमंत्री के चुनाव तक मौजूदा मुख्यमंत्री को एक्टिंग मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, एक्टिंग मुख्यमंत्री की शक्तियां सीमित होती हैं। विधानसभा में राजनीतिक संकट या फिर विशेष परिस्थितियों में राज्यपाल राष्ट्रपति शासन की सिफारिश भी कर सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति इस पर विचार करते हैं और फैसला लेते हैं। फिलहाल मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, ऐसे में राजनीतिक संकट की स्थिति नहीं है। ज्ञात हो कि मैतेई-कुकी समुदायों के बीच करीब दो साल के लंबे संघर्ष के दौरान विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था। हालांकि बीरेन सिंह राज्य में शांति बहाल करने की बात करते रहे, लेकिन दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद उन्होंने राज्यपाल को इस्तीफे सौंप दिया। सिंह 2017 से लगातार मणिपुर के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उनका इस्तीफा राज्य की अखंडता की रक्षा के लिए उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सूत्रों के हवाला से बताया कि मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद भाजपा के ही 12 विधायक मुख्यमंत्री के इस्तीफे पर जोर दे रहे थे। इसके अलावा कॉनराड संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भी भाजपा से समर्थन वापस ले लिया था। ऐसी संभावना थी कि फ्लोर टेस्ट में पार्टी व्हिप का उल्लंघन होगा। इस संभावना को टालने के लिए मुख्यमंत्री सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व से बात कर पद छोड़ दिया।

एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साध रहे है । राहुल गांधी ने कहा कि सार्वजनिक दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को इस्तीफे के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि करीब दो साल तक भाजपा के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने मणिपुर में विभाजन भड़काया और पीएम मोदी ने उन्हें मणिपुर में हिंसा, जानमाल के नुकसान और भारत के विचार के विनाश के बावजूद बने इस पद पर बना रहने दिया।

इसके आलावा कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस 10 फरवरी को मणिपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पूरी तरह तैयार थी। मुख्यमंत्री को ये लग गया था कि माहौल बन रहा है और बहुमत उनके पास नहीं हैं। उन्हें लग गया था कि अविश्वास प्रस्ताव पारित होगा और उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा, इसलिए उन्होंने आज ही इस्तीफा दे दिया। जयराम ने कहा कि एन बीरेन सिंह तो एक कठपुतली थे। गृह मंत्री अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं समझते, इस्तीफा तो उन्हें देना चाहिए। प्रधानमंत्री 20 महीने से मणिपुर क्यों नहीं गए हैं?

गौरतलब है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई, 2023 से ही संघर्ष चल रहा है।झगड़ा आखिर क्या है, यहाँ यह भी समझना जरूरी है। दरअसल, मणिपुर में तीन प्रमुख समुदाय हैं। मैतेई, नगा और कुकी। नगा और कुकी जनजाति के तहत आते हैं और ईसाई धर्म को मानते हैं। मैतेई वैष्णव हिंदू हैं। आबादी के हिसाब से मैतेई की जनसंख्या पचास प्रतिशत है, लेकिन वे राज्य के केवल दस प्रतिशत हिस्से में रहते हैं। नगा और कुकी की आबादी का प्रतिशत 34 है लेकिन वे राज्य की नब्बे प्रतिशत भूमि पर रहते हैं।मैतेई का कहना है कि हमारे राजा ने कभी इन कुकी को म्यांमार से लड़ने के लिए भाड़े पर बुलाया था, लेकिन ये यहाँ कब्जा जमाकर बैठ गए। कुकी का कहना है, यहाँ की जमीन, यहाँ के पहाड़ हमारे देवता हैं। हम इन्हें छोड़ नहीं सकते। कुकी का मानना है कि मैतेई पैसे वाले हैं। संपन्न हैं। अगर इन्हें आदिवासी घोषित कर दिया तो ये हमारी जमीन खरीद - खरीदकर हमें ही बेघर कर देंगे।इसके उलट कुकी का कहना है कि हम 1949 में मणिपुर के भारत में शामिल होने के वक्त आदिवासी ही थे। कहा जाता है कि यहाँ के मैतेई राजा वैष्णव हो गए थे और बाद में उन्हीं ने अपनी प्रजा को भी वैष्णव बनाया था।

ज्ञात हो कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों की संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। हिंसा के दौरान आगजनी, बर्बरता, दंगा, हत्या और सामूहिक बलात्कार की घटनाएं भी देखी गईं।

बताया जाता है कि इस सप्ताह की शुरूआत में, एक नया विवाद तब खड़ा हो गया था जब सुप्रीम कोर्ट ने जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका का आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रामाणिकता को लेकर एक सीलबंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी थी। इस्तीफा देने से पहले बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। एन। बीरेन सिंह को राज्य में जातीय संघर्ष से निपटने के तरीके को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। लगातार हो रही आलोचनाओं के बीच बीरेन सिंह का इस्तीफा आया है। कांग्रेस विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा कर रही है। जानकारी के मुताबिक बीरेन सिंह कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव से बचना चाहते थे, क्योंकि उन्हें अपनी पार्टी के विधायकों के समर्थन का भरोसा नहीं था। इसलिए उन्होंने इस्तीफा देना बेहतर समझा।

हालांकि, पिछले दिसंबर में ए के भल्ला की राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के बाद से ही उनका इस्तीफा तय लग रहा था। उनका इस्तीफा मणिपुर में सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले नए सिरे से राजनीतिक उथल-पुथल के बीच आया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक मणिपुर के कई भाजपा विधायक, जो बीरेन सिंह के नेतृत्व और मणिपुर संकट के पार्टी नेतृत्व से नाराज थे, इसलिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। मणिपुर भाजपा के एक दूसरे नेता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ₹अगर मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो सोमवार को पार्टी के लिए यह शर्मनाक होता। मणिपुर के कांग्रेस नेताओं ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे अविश्वास प्रस्ताव की मांग करेंगे। करीब पांच से 10 भाजपा विधायकों ने विपक्ष में बैठने और उनका समर्थन न करने की बात कही है। इन विधायकों में मंत्री भी शामिल हैं। असल में मुख्यमंत्री को यह बात पता थी और केंद्रीय नेतृत्व को इस बारे में नियमित रूप से बताया जा रहा था, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया। बीरेन सिंह का इस्तीफा भले ही स्वीकार कर लिया गया हो। लेकिन वो वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वह पद पर बने रहें रहेंगे। बीरेन सिंह के इस्तीफ के बाद अब इस बात की चर्चा तेज होने लगी है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा नया मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी या नहीं। इखढ के शीर्ष नेता संबित पात्रा मणिपुर में डेरा डाले हुए हैं। जिसकी वजह से कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री पद के लिए बीरेन सिंह के मुखर आलोचक पूर्व स्पीकर वाई खेमचंद का नाम भी चर्चा में है, इसके अलावा युमनाम खेमचंद सिंह और टी विश्वजीत सिंह के नाम का भी जिक्र चल रहा है, लेकिन इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

अब जब मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि इस्तीफा देने के बाद क्या राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? जब तक नया मुख्यमंत्री नहीं बन जाता, वहां की सरकार कौन चलाता है? इसको लेकर नियम क्या है? भारतीय संविधान में किसी राज्य में सरकार चलाने को लेकर कुछ नियम बनाए गए हैं। अगर किसी राज्य का मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देता है तो राज्य का पूरा दायित्व राज्यपाल के पास आ जाता है। वहीं इस हालात में राज्यपाल नए मुख्यमंत्री के चुनाव तक मौजूदा मुख्यमंत्री को एक्टिंग मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, इस दौरान एक्टिंग मुख्यमंत्री की शक्तियां सीमित होती हैं। विधानसभा में राजनीतिक संकट या फिर विशेष परिस्थितियों में राज्यपाल राष्ट्रपति शासन की भी सिफारिश भी कर सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति इस पर विचार करते हैं और अपना फैसला लेते हैं। फिलहाल मणिपुर में भाजपा के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, ऐसे में राजनीतिक संकट की स्थिति नहीं है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा नया मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी या नहीं। भाजपा के शीर्ष नेता संबित पात्रा मणिपुर में डेरा डाले हुए हैं। दूसरी ओर भाजपा सूत्रों ने उम्मीद जताई कि सिंह के इस्तीफे से राज्य के दो मुख्य जातीय समुदायों के बीच शांति स्थापित करने के लिए केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा।मुख्यमंत्री कोई भी हो यह यक्ष प्रश्न हमेशा से बना रहेगा कि आखिर मणिपुर में शांति बहाल कैसे होगी ? क्या मुख्यमंत्री बदलना ही पर्याप्त होगा?

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही भारत को बनाएंगा विश्वगुरुः स्वामी जितेंद्रानंद

-सुरेश गांधी

महाकुंभ सनातन का गौरव पर्व है, जिसमें हमारी सांस्कृतिक विरासत है। यह जितनी दृश्यमान है उतनी ही अदृश्य और निराकार भी है। सभी देवी-शक्तियों के आशीर्वाद से यह महाकुंभ एक दिव्य स्नान अवसर माना जाता है। हमारी यही सांस्कृतिक विरासत हमें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर ले जाता है। और एक दिन यही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद भारत को विश्वगुरु बनायेगा। महाकुंभ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन, आस्था और मानवता का उत्सव है। यह बातें अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कही। महाकुंभ के सेक्टर 19 स्थित गंगा महासभा के शिविर में श्रीस्वामी महाकुंभ के सफल आयोजन पर हमारे सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से सनातन, राष्ट्रवाद व भारतीय संस्कृति पर विस्तार से वार्ता की। प्रस्तुत है उसके कुछ अंश:

फिरहाल, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का आधार क्षीण होने की वजह से ही देश में अलगाववाद, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, अस्थिरता, विक्षोभ, भटकाव, बेरोजगारी, भ्रष्ट प्रशासन एवं सांस्कृतिक प्रदूषण जैसी समस्याएं खड़ी हुई हैं। हाल ये है कि इसके अभाव में ये सारी समस्याएं सुलझने की बजाए और भी ज्यादा विकराल होती जा रहीं है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती का मानना है कि इन समस्याओं से अगर निपटना है तो हमें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूत करना होगा। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ऐसा महामंत्र है, जो न सिर्फ हमारी स्वतंत्रता, अखंडता, सुरक्षा और राष्ट्रीय स्वाभिमान को बढ़ोगा, बल्कि भारत को विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रसस्त करेगा। महाकुंभ इसका जीवंत उदाहरण है, जहां बिना किसी भेदभाव व जातियां पूछे संगम में करोड़ों की संख्या में एक ही घाट पर लोग डुबकी लगा रहे है। इस अमृत स्नान की महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तमाम परेशानियों को सहते हुए देश दुनिया के श्रद्धालु हजारों और लाखों ही नहीं करोड़ों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं. तीन प्रमुख अमृत संपंन हो जाने के बावजूद देश के हर हिस्से से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है. अब तक 42 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके है।

बता दें, स्वामी जीतेंद्रानंद (जन्म 25 फरवरी 1972), जिन्हें आचार्य जितेंद्र के नाम से भी जाना जाता है, एक धार्मिक नेता, साधु, पर्यावरणविद् कार्यकर्ता हैं। वे अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव हैं। वे हिंद-बलोच फोरम के संस्थापक हैं। भारत में बलूच मानवाधिकारों के लिए जानी-मानी आवाज है। समय समय पर सनातन की मजबूती व हिन्दु राष्ट्र के लिए आवाज उठाते रहते है। एक सवाल के जवाब में स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती जी ने कहा, भारत का राष्ट्र जीवन अर्थात इस धरती पर पुष्पित पल्लवित संस्कृति का आधार हिन्दुत्व है जिसे मजहब, पंथ एवं जातिवाद के संकुचित दायरे में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता की राजनीति ने इस प्रयास को प्रोत्साहित करते हुए वोट बैंक की समाजघातक व्यवस्था को जन्म दिया है। इस संदर्भ में हिन्दुत्व का वास्तविक अर्थ समझना भी जरूरी है। हिन्दुत्व इस देश के किसी पंथ (रिलीजन) का नाम न होकर एक राष्ट्रवाचक अवधारणा है। हिन्दुत्व भारत के भूगोल और संस्कृति का परिचायक है। हिन्दुत्व को धर्म के सर्वस्पर्शी, शाश्वत और विशाल धरातल पर रखा जा सकता है। इसीलिए हिन्दुत्व का संबंध धर्म के साथ है, जबकि मजहब का संबंध पूजा के साधारण तौर तरीकों से होता है। अतः हिन्दू धर्म जीवन पद्धति है और यही भारत की राष्ट्रीयता का आधार है, यही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है।

जितेन्द्रानंदजी का कहना है कि भारत की आत्मा को समझना है तो उसे राजनीति अथवा अर्थनीति के चश्मे से न देखकर सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ही देखना होगा। भारतीयता की अभिव्यक्ति राजनीति के द्वारा न होकर उसकी संस्कृति के द्वारा ही होगी। संस्कृति का विचार अथवा आधार लुप्त हो जाने पर राष्ट्रवाद की पवित्रता और अवधारणा एक स्वार्थी, पदलोलुप लोगों की राजनीति मात्र रह जाएगी। स्वराज तभी साकार और सार्थक होगा, जब वह अपनी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधक बन सकेगा। इसी रास्ते से हमारा विकास होगा और पृथकतावादी शक्तियां समाप्त होंगी। खास यह है कि जैसे-जैसे प्रखर राष्ट्रवाद का माहौल तैयार हो रहा है, समाज जीवन करवट बदल रहा है और अराष्ट्रीय तत्वों की पराजय सुनिश्चित होती जा रही है, वैसे-वैसे हिन्दुत्व विरोधी शक्तियों को अपने अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडराते हुए दिखाई देने लगे हैं। ये शक्तियां किसी भी तरह हिन्दुत्व को जागृत होते देखना नहीं चाहतीं। लेकिन इस महाकुंभ में उमड़ा आस्था का समुंदर उनके मुंह पर जोरदार तमाचा है। वे देख ले और जाने ले हिन्दुत्व को दबाया नहीं जा सकता है। उनका कहना है कि जब भारतीय समाज देश की राष्ट्रीय संस्कृति से जुड़ेगा तो समस्त आंतरिक और बाह्य चुनौतियों का सामना कर उन पर विजय प्राप्त करने में भारत सफल होगा। राष्ट्रीय आदर्शों और आकांक्षाओं की नींव के सुदृढ़ होते ही एक अजेय राष्ट्रशक्ति का उदय होगा। जब सारे समाज को अपने राष्ट्रीय जीवनोद्देश्य का ज्ञान होगा और हृदय में राष्ट्रभक्ति लिए युवाओं की टोलियां आगे बढ़ेंगी तो सभी संकटों को पराजित करके हमारा राष्ट्र विजयी होगा और विश्वगुरु कहलायेगा।

स्वामी जितेन्द्रानंदजी ने कहा, भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सनातन (यानी हिंदू) संस्कृति मानते हुए दबाने का प्रयास किया जाता है,

जिसे सीधे तौर पर गंगा जमुनी तहजीब पर कुर्बान किया जाता है. इसके सबसे बड़े शिकार हुए हैं तो वो भारत के मुसलमान हुए हैं. उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में धर्म तत्व की प्राप्ति होती है। सनातन को बढ़ाने के लिए हमें कुछ प्रयत्न करना चाहिए. महाकुंभ सियासत का पर्व नहीं है. ये धर्म का पर्व है. इसमें चिंतन और मंथन की बात होनी चाहिए. हमारे सनातन पर कोई प्रश्न उठाए तो उसका खड़े होकर प्रतिकार करें. सनातन के ऊपर आघात करने वालों का प्रतिकार करना चाहिए. इस महाकुंभ पर किसी भी प्रकार की सियासत नहीं होना चाहिए। सनातन धर्म ही युगधर्म है। सनातन तो शाश्वत है। ये सनातन का गौरव काल है। पृथ्वी सनातन है, जल सनातन है। अग्नि का धर्म तेजस्विता सनातन है। मनुष्य में मनुष्यता सनातन है। सनातन शाश्वत था, शाश्वत है, शाश्वत रहेगा। उन्होंने कहा, हमारे ऋषि-मुनियों ने तप किया. उसी से तो हमारा सनातन आज जिंदा है. कुंभ में स्नान करने से पाप धुलने के बाबत उन्होंने कहा, कर्म का लेखा-जोखा कोई काट नहीं सकता. आपने पहले जो कर्म कर लिए उनका तो फल जरूर मिलेगा. महाकुंभ में स्नान कर नए संकल्प लिए जा सकते हैं. वैसे भी आस्था अडिग होती है। लोग कठिनाइयों और खतरों के बावजूद महाकुंभ में आते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि आत्मा अमर है। महाकुंभ एकता का संदेश देता है, नहीं तो करोड़ों लोग एक साथ स्नान नहीं करते। यह हमें एक-दूसरे के साथ जोड़ता है। तभी तो करोड़ों लोग खुले आसमां के नीचे एक साथ स्नान करते हैं। महाकुंभ यह दशार्ता है कि हम सब एक परिवार हैं।

स्वामी जितेन्द्रानंदजी ने कहा, महाकुंभ का आयोजन आध्यात्मिक जागृति और आत्मा की शुद्धि के लिए होता है। इसमें पवित्र नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती में स्नान का महत्व है, जो व्यक्ति को अपने पापों और बुराइयों से मुक्त करने का प्रतीक है। महाकुंभ विभिन्न राज्यों, भाषाओं और परंपराओं से आए करोड़ों लोगों के मिलन का स्थल है। यह भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को दशार्ता है। यहां विभिन्न संत, महात्मा और विद्वान धार्मिक प्रवचन और सत्संग आयोजित करते हैं। यह ज्ञान, योग और ध्यान का गहरा अनुभव प्रदान करता है। आजकल शांति के लिए अनेक देशों के लोग भारत आ रहे हैं। विभिन्न आश्रमों से जुड़कर ध्यान और योग कर रहे हैं। शांति सिर्फ ध्यान और योग से ही आ सकती है। आजकल के युवा जो तरीका अपना रहे हैं, वह गलत है। उससे शांति तो नहीं मिलती परेशानी जरूर बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि सबके पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य हिंदू थे। यह ऐतिहासिक तथ्य है। यह तो विभाजन के बाद का भारत है। अगर यह भी हिंदू राष्ट्र नहीं है तो कौन होगा? हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य है सुरक्षित, स्वस्थ, सुसंस्कृत, शिक्षित, सेवापरायण समाज की स्थापना है। अन्यों के हित का ध्यान रखते हुए हिंदुओं के अस्तित्व व आदर्श की रक्षा करना है। देश की सुरक्षा व अखंडता के लिए कटिबद्ध रहना है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने बगैर किसी का नाम लिए कहा, किसी भी शंकराचार्य को पाटीर्लाइन पर नहीं बोलना चाहिए। जहां तक सूबे के मुखिया के कामकाज का सवाल है तो वह बेहतर है, महाकुंभ में दिख भी रहा है, लेकिन उन्हें कुछ छुटभैये बाबाओं के संजाल से मुक्त रहना चाहिए। ये छुठभैये कहीं न कहीं उनकी साख पर बट्टा लगा रहे है। उनके नाम का दुरुपयोग कर आपनी सियासत चमका रहे है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विचार में धर्म आएगा तो आचार व आचरण में आए बिना नहीं रहेगा। धर्म का ज्ञान होगा तो धर्म आचरण के प्रति आस्था होगी। महत्व का ज्ञान होगा तो धर्मनिष्ठ व सदाचारी होंगे। किसी भी वस्तु की सत्ता व उपयोगिता जिस पर निर्भर है उसी का नाम तो धर्म है। धर्म विहीन कोई वस्तु नहीं हो सकती। धर्मनिरपेक्ष केवल एक शब्द है। वैसे ही जैसे खरगोश की सींग केवल शब्द है, जबकि वह वास्तव में होता ही नहीं है। मंदिरों, मठों को शासकीय नियंत्रण से मुक्त किए जाने की मांग पर उन्होंने कहा, अगर शासन तंत्र स्वयं को सेक्युलर कहता है तो उसे धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। पर्व का निर्धारण पंचांग के आधार पर होता है। सरकार का काम उसकी व्यवस्था करना है। अन्य धर्मों से जुड़े विषयों में कोई हस्तक्षेप करके देखे? जबकि हिंदुओं पर सबकी दाल गल जाती है। जहां तक त्याग का सवाल है तो कर्मो पर विजय पाने वाला ही सच्चा त्यागी बन सकता है। उन्होंने महाकुंभ में उमड़ती भीड़ के बाबत कहा, ये दुश्वारियां वीवीआईपी कल्चर के चलते बढ़ी हैं. संगम तट पर पहुंचने के लिए 15 से 20 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है. वह भी मेला क्षेत्र में. अगर शहर में कहीं फंस गए तो अलग परेशानी झेलनी पड़ रही है. ऐसे में महाकुंभ में हर तरह की वीआईपी कल्चर पर काबू पाना होगा। खासकर कुछ बाबाओं के वीआईपी मानसिकता पर नकेल कसने की जरुरत है। इसके अलावा अगर किसी को महाकुंभ के भगदड़ पर मृतकों के आंकड़ों पर भ्रम है तो उसे न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

जो लोग सनातन के खिलाफ अनाप-सनाप बकते है, वो सनातन की शक्ति और इतिहास से अनजान हैं। सनातन संस्कृति हमेशा से एक हाथ में शास्त्र और दूसरे हाथ में शस्त्र लेकर अपने धर्म और आस्था की रक्षा के लिए तत्पर रही है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जब संतों ने विरोधी शक्तियों का संपूर्ण नाश किया है। महाकुंभ एक ऐसा आयोजन है जहां आदिकाल से राजा-महाराजा भी श्रद्धा से शामिल होते रहे हैं। यहां दान, तप, और संतों के मार्गदर्शन से विश्व कल्याण की साधना की जाती है। कुंभ लोक आस्था का महापर्व है और लोक के लिए ही रहेगा। कुंभ आस्था, साधना, और विश्व कल्याण का समय है। यह सनातन संस्कृति की आत्मा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मंदिर में भी निश्चित ड्रेस कोड के साथ ही प्रवेश होना चाहिए. मंदिर में लोग आचरण युक्त और भारतीय परिधान पहनकर आएं. आवश्यक है कि हिन्दुओं के मठ-मंदिर जो सरकार चला रही है वो मंदिर वापस मिले। प्रत्येक मंदिर की पूजा पद्धति उनकी परंपरा उसकी रीति-नीति से हो। हाल के दिनों में हिंदू समाज के अंदर वर्ण और जात के नाम पर संघर्ष नहीं है, यह शुभ संकेत है। सार्वजनिक जीवन में सामान्य हिंदू समाज को शुचिता के साथ-साथ आक्रामक भी होना पड़ेगा। यहूदियों ने अपने बलिदानों को कभी नहीं भुलाया। हम भी अपने बलिदानों को याद रखें। हिंदू समाज अपने महापुरुषों के बलिदानों को भूल गया है। हम जन्मदिन तो मनाते हैं, लेकिन अपने महापुरुषों की पुण्यतिथि मनाना भूल गए, उनके संघर्षों को भूल गए। यही हमारे लिए घातक हो गया। जहां तक राहुल गांधी का सवाल है तो चाणक्य के कथन अनुसार विदेशी मां की कोख से पैदा हुआ पुत्र कभी देशभक्त नहीं हो सकता। सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव की वजह से इस्लामिक संगठन, ईसाई मिशनरी और अन्य भारत विरोधी ताकतें बौखला चुकी हैं.

डोंबिवली में रुद्र महायज्ञ एवं श्रीमद भगवत कथा का आयोजन

डोंबिवली। हिन्दी भाषी जनता परिषद के सौजन्य से वैदिक भागवत सेवा समिति द्वारा रुद्र महायज्ञ एंव श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा का आयोजन विगत 5फरवरी से डोंबीवली के दावड़ी प्रभाग में चल रहा है। कथाकार पंडित श्रीधर शास्त्री महाराज जी अपने मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा याख्यान कर रहे है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग कथा श्रवण कर रहे हैं। इस कथा में बाल, युवा, महिला व वृद्ध लोगो की संख्या देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि मानस त्रिवेणी का यहाँ पर प्राकट्य हुवा है। कार्याध्यक्ष दयानंद भारद्वाज, अध्यक्ष आर्यविक्रम सिंग, महामंत्री बबन तिवारी, सहमंत्री सशिकान्त सिंह, कोशाध्यक्ष सतानन्द प्रजापती, व सुनील गुप्ता उनकी पुरी टीम पुरे तन मन से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जुटी हुई है। यादवेंद्र विश्वनाथ दुबे (सागर) कथा में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार कर रहे है।आयोजक समिति के प्रमुख डॉ आर डी गौतम ने सभी श्रद्धालुओ से आग्रह पूर्वक निवेदन किया है कि सभी लोग इस कथा का रसपान करके अपने जीवन को धन्य करे।विशेष रूप हिन्दी भाषी जनता परिषद के अध्यक्ष पंडित विश्वनाथ दुबे,शोभनाथ मिश्र,मनोज तिवारी,विनीत पांडेय ,नंदलाल दुबे, विरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहकर कथा श्रवण किए।

मशहूर लेखक, निर्देशक एवं अभिनेता नियाज खान का निधन

मुंबई। फिल्मों के मशहूर लेखक, निर्देशक एवं अभिनेता नियाज खान का निधन रविवार ९ फरवरी को हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, उन्होंने कई भोजपुरी फिल्मों सजनवा बैरी भइले हमारे, गंगा किनारे मोरा गांव, हमका माफी देई द व नदी के लहरिया बोले फिल्मों की कहानी लिखा एवं अभिनय भी किया. उनकी फिल्म माटी प्रीत जगावेले की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली थी.

इस दुखद घड़ी में निमार्ता बिरेन्द्र सिंह एवं इस्माइल भाई साथ रहे. इसके साथ ही कई भोजपुरी एवं हिन्दी फिल्म कलाकारों ने उपस्थित दर्ज की. साथ ही कलाकार हरीश हराया, मनोज तिवारी, कुनाल सिंह, विनोद तिवारी, मनोज पाण्डेय, आलोक राय व राजपाल सिंह ने दुःख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया.

भिवंडी में सोने और चांदी के आभूषणों की हुई चोरी

भिवंडी। शांतीनगर पुलिस स्टेशन मे फरियादी देवआनंद रामबवृक्ष गोंड ने बताया कि उनके घर में चोरी हुई। अज्ञात चोर ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी से ४६,५०० कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए।

पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ भा. न्या. सहिंता की धारा ३०५ के तहत केस दर्ज किया है और पुलिस चोर की तलाश में जुट गई है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे से की मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधान परिषद के सदस्य प्रसाद लाड ने बताया कि मनसे प्रमुख ठाकरे ने फडणवीस को मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क के पास स्थित अपने आवास पर आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने इस मुलाकात के संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी।

ठाकरे ने पिछले माह सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए कहा था पार्टी ने एक बार कहा था कि करोड़ों रुपये के घोटाले में संलिप्त नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जाएगा लेकिन उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर भी सवाल उठाए थे।

वहीं भाजपा ने ठाकरे पर पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया और दावा किया कि उसने कभी भी समझौते की और सुविधा की राजनीति नहीं की है। मनसे प्रमुख ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को समर्थन दिया था। हालांकि, राज ठाकरे की पार्टी ने पिछले साल नवंबर में राज्य विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

भिवंडी पावरलूम को-ऑपरेटिव सोसायटी को राज्य सरकार का नोटिस

भिवंडी। भिवंडी पावरलूम को - ऑपरेटिव सोसायटी के संचालक मंडल पर करोडो.रुपये भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर राज्य सरकार द्वारा नोटिस जारी किया गया है। इससे संचालक मंड़ल के पदाधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

उक्त नोटिस अवैध भूमि लेनदेन के आरोप में राज्य सरकार के वस्त्रोद्योग प्रादेशिक उप आयुक्त कार्यालय को शिकायत मिलने के बाद विभाग ने संचालक मंडल को कारण बताओ नोटिस जारी जारी कर के जबाब मांगा है।१९९८ में पंजिकृत की गई भिवंडी पावरलूम को-ऑपरेटिव सोसायटी के संचालक मंडल का कार्यकाल २६ फरवरी २०१५ से पांच वर्षों के लिए था। जिसकी अवधि२५फरवरी २०२० को समाप्त हो गया।लेकिनअवधि खत्म होने के बावजूद,संचालक मंडल ने गैरकानूनी तरीके से संपत्ति की खरीद-बिक्री और विकास समझौते किए। (पहली) भिनार और सावंदे में ८०,५०० वर्ग मीटर भूमि को एक निजी डेवलपर को गोदाम निर्माण के लिये कम कीमतों मे सौंप दिया गया। (दूसरी) मौजे पारिवली क्षेत्र में सर्वे ४१/४ की ३.८५ करोड़ रुपये की भूमि, जिसका क्रय अधिकार संचालक मंडल को नहीं था, फिर भी २१ जून २०२४ को खरीद ली गई। इन दोनों मामलों में संचालक मंडल पर कोट्यवधी (कई करोड़) रुपये के भ्रष्टाचार और सरकारी नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए गए हैं।

प्रसिद्ध समाजसेवी व मजदूर नेता संजय ज.पाटील भाजपा में हुए शामिल

डबल इंजन की सरकार तथा पालक मंत्री गणेश नाईक पर जताया भरोसा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी,ठाणे-पालघर जिला रिक्शा चालक मालक संगठना प्रमुख,श्रमिक संघठना पालघर प्रमुख व शिवशक्ति सामाजिक संगठना के अध्यक्ष और मजदूर नेता व प्रदेश के वनमंत्री तथा जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के विश्वास पात्र संजय ज.पाटील शुक्रवार,07 फरवरी को भास्कर पार्क,तारापुर माली स्टॉप के सामने कुडण में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के स्नेह मिलन समारोह के दौरान महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष,विधायक व पूर्व मंत्री रविंद्र चव्हाण के प्रमुख उपस्थिति में सैकडों सहयोगियों में राजनीतिक, सामाजिक, पंचायत समिति सदस्यों, ग्रामपंचायत सरपंच,

उपसरपंचो, सभासदों के साथ गर्मजोशी भरे माहौल में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

ज्ञात रहे कि भाजपा की ओर से पूरे देश में पहली जनवरी से चलाये जा रहे संगठन पर्व के दौरान बड़े-जोरशोर से सदस्यता पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है।अबतक लगभग एक करोड़ दो लाख नये सदस्यों के पंजीकरण की पत्रकारों को जानकारी देते भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चव्हाण ने कहा कि जल्द ही यह आकड़ा डेढ़ करोड़ पार कर लेगा। इस मौके पर शिवशक्ति सामाजिक संगठना अध्यक्ष संजय ज. पाटील ने बोलते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार का विकसित भारत के कामयाबी का विदेशों तक बज रहे डंका के साथ प्रदेश में अनुभवी फडणवीस की नेतृत्व वाली अब डबल इंजन की सरकार को विकास की गति देने में जिले के नये सारथी बने गणेश नाईक की अगुआई में और बेहतर काम करेंगी। भाजपा के विस्तार और जिले के प्रगतिशील बनाने के लिए संकल्पित पूर्व पालक मंत्री रविंद्र चव्हाण के प्रयासों को अब और ज्यादा सफलता मिलेगी।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भरत राजपूत, विधायक हरिश्चंद्र भोये,

बाबाजी कोठाले, सचिव रानी द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष नंदकुमार पाटील, जि.प.उपाध्यक्ष पंकज कोरे, महिला विंग जिलाध्यक्षा वीणा देशमुख, तुषार संखे तथा युवा मोर्चा के निखिल चव्हाण सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया हुई सम्मानित

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) को एक उत्कृष्ट कार्यस्थल के रूप में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने लगातार दूसरे वर्ष टॉप एम्प्लॉयर सर्टिफिकेशन और ₹एशिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से एक₹ के खिताब को हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। इसके अलावा, कंपनी को इकोनॉमिक टाइम्स ह्यूमन कैपिटल एमईएनए अवार्ड्स में तीन श्रेणियों में सराहना मिली, जो इसकी कार्यस्थल संस्कृति को कर्मचारी-अनुकूल और प्रेरणादायक बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। टॉप एम्प्लॉयर सर्टिफिकेशन मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है। इस पुरस्कार के लिए कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया होती है, जिसमें छह महत्वपूर्ण संगठनात्मक पहलुओं का आकलन किया जाता है। यह विस्तृत ऑडिट लगभग 260 मूल्यांकन बिंदुओं पर आधारित होता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि कंपनी सर्वोत्तम कार्यस्थल नीतियों और रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन को लागू कर रही है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल को लगातार दूसरे वर्ष एशिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से एक के रूप में मान्यता मिली, जो तीन प्रमुख क्षेत्रों - फील, थिंक और डू पर आधारित कर्मचारी प्रतिक्रिया और गहन ऑडिट के आधार पर प्रदान की गई। यह कंपनी की ओर से कार्यस्थल के माहौल को एंगेजिंग बनाने में सफलता को दिखाता है। इसके अतिरिक्त, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने इकोनॉमिक टाइम्स ह्यूमन कैपिटल एमईएनए अवार्ड्स में पहली बार भाग लेते हुए तीन प्रमुख श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त किएः हेल्थ और वेलनेस एक्सीलेंस, ग्लोबल टैलेंट एक्विजिशन, एनवायर्नमेंटल एंड सोशल गवर्नेंस लीडरशिप।

आंगनवाड़ी सेविकाओं का प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद के महिला व बाल विकास विभाग की ओर से आंगनवाड़ी सेविकाओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के विषय पर विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। मनोर में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर लगभग 300 आंगनवाड़ी सेविकाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे व उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) चंद्रशेखर जगताप प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला व बाल विकास विभाग) प्रवीण भावसार द्वारा किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के महत्व को समझाया। यह योजना पहले स्वास्थ्य विभाग द्वारा लागू की गई थी, लेकिन इसे महिला व बाल विकास विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया है। इसलिए 1 अप्रैल से इस योजना को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी आंगनवाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। 8 फरवरी 2025 को जिला परिषद पालघर के सर्वसाधारण सभागृह में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

जिसमें पालघर परियोजना की 300 आंगनवाड़ी सेविका मौजूद थी। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने लेक लाडकी योजना, पोषण अभियान, पीएम जनजाति योजना, पीएम जीवन ज्योति योजना, बीमा योजना आदि की विस्तृत समीक्षा की समीक्षा की। पालघर जिले में कुपोषण की राज्यव्यापी पहचान को खत्म करने और 1993 में दुर्भाग्यपूर्ण घटना की छाया से बाहर निकलने के प्रयासों की आवश्यकता की बात कहते मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आंगनवाड़ी सेविकाओं से कुपोषण को खत्म करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

वहीं 8 फरवरी 2025 को विक्रमगढ़ में 200 आंगनवाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण पूरा हुआ। इस प्रकार से मनोर, पालघर व विक्रमगढ़ इन तीनों स्थानों पर प्रधानमंत्री वंदना योजना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में विकास परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं विस्तार अधिकारी द्वारा विशेष मेहनत की गई।

शिक्षक को अतिरिक्त काम के बोझ से रिहा किया जाना चाहिए: उद्धव ठाकरे

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना ने मुलुंड पूर्व में आरआर एजुकेशनल ट्रस्ट में राज्य स्तर के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की, जिसमें राज्य भर से चार हजार से अधिक शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हुए। इस एक दिवसीय बैठक में कुल 20 प्रस्ताव और विभिन्न शैक्षणिक मांगें स्वीकार की गईं।

पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने उन सवालों और गैर-शैक्षणिक कार्यों के बारे में अपनी राय व्यक्त की जिनका सामना शिक्षकों को हमेशा करना पड़ता है और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कैसे किया जाए। शिक्षक बच्चों को बनाने का काम कर रहे हैं. इस मौके पर सांसद संजय पाटिल ने बयान दिया कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए शिक्षकों पर गैर शैक्षणिक काम कम किया जाना चाहिए. महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना के अध्यक्ष और विधायक ज. मो. अभ्यंकर कार्यक्रम का स्वागत अध्यक्ष सांसद संजय दीना पाटिल, विभाग प्रमुख रमेश कोरगांवकर, विभाग प्रमुख पाटिल और शिक्षक संघ के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

आईएचसीएल ने की ताज बैंडस्टैंड मुंबई की घोषणा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने ताज बैंडस्टैंड प्रोजेक्ट की घोषणा की है। ताज बैंडस्टैंड मुंबई की स्काइलाइन की नयी परिभाषा रचने के लिए बनाया गया नया लैंडमार्क है। महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और टाटा सन्स के चेयरमैन श्री एन चंद्रशेखरन की उपस्थिति में भूमि पूजन संपन्न हुआ। श्री पुनीत छटवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, आईएचसीएल ने कहा,आईएचसीएल ने अपना पहला होटल - द ताज महल पैलेस बॉम्बे में 1903 में शुरू किया और तब से लेकर आज तक, एक शतक से भी अधिक समय से 'ताज' ब्रांड इस शहर की संस्कृति का अभिन्न अंग बना हुआ है। 'ताज' की महान विरासत का प्रमुख उदाहरण, ताज बैंडस्टैंड अगले शतक भर प्रतिष्ठित ब्रांड ताज का पथप्रदर्शक बनेगा। यह इमारत मुंबई की स्काइलाइन को नयी परिभाषा प्रदान करेगी, यह ऐतिहासिक विकास मुंबई की भावना, यहां के लोगों और इसकी बढ़ती वैश्विक प्रमुखता का सम्मान है।

श्री पुनीत छटवाल कहा,हृहमें आईओडी और प्रोविजनल फायर एनओसी सहित प्रमुख प्री-कन्स्ट्रक्शन मंजूरी मिल गई है। आईएचसीएल को उम्मीद है कि, सभी स्वीकृतियां प्राप्त होने पर अगले चार वर्षों में परियोजना को पूरा किया जाएगा। 2 एकड़ में फैले ताज बैंडस्टैंड में 330 कमरे और 85 अपार्टमेंट होंगे। डाइनिंग के कई विकल्प, कन्वेंशन स्पेस और विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। इस परियोजना में लैंडस्केप गार्डन, खेल और मनोरंजन गतिविधियों के साथ-साथ शहर की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ने वाले मनोरंजन विकल्पों के साथ आसपास के क्षेत्र के विकास और रखरखाव को भी शामिल किया जाएगा। इस होटल के जुड़ने से, आईएचसीएल के पास मुंबई में 17 होटल हो जाएंगे, जिनमें से 5 का काम चल रहा है।

योजना विभाग के अंतर्गत जिला योजना समिति की बैठक सम्पन्न

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार के योजना विभाग के अंतर्गत जिला योजना समिति की बैठक की अध्यक्षता गणेश नाइक, वन महाराष्ट्र राज्य और संरक्षक मंत्री ने की। इस बैठक में भिवंडी सांसद सुरेश म्हात्रे, वसई विधायक स्नेहताई दुबे पंडित, विधायक विलास तारे, विधायक राजेंद्र गावित, विधायक निरंजन डावखरे, विधायक विनोद निकोले, विधायक हरिश्चंद्र भोये, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, पुलिस अधीक्षक पालघर बालासाहेब पाटिल, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पालघर गोविंद मारुति बोडके, आयुक्त वसई-विरार, अनिल कुमार पवार मौजूद रहे। जिसमें खेल परिसर के निर्माण का मुद्दा प्रभावी ढंग से रखा गया. इस खेल परिसर के माध्यम से खिलाड़ियों को नवीनतम सुविधाएं मिले और उनका सर्वांगीण विकास हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए गए। उन्होंने यह भी पुरजोर मांग की कि ईस्ट-वेस्ट नालासोपारा का ओवरब्रिज का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाये. हमारी प्राथमिकता नागरिकों को यातायात की समस्या से मुक्ति दिलाना और संचार सुविधा उपलब्ध कराना है। इस बैठक में जिले की विकास योजनाओं की समीक्षा कर महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा की गयी. बैठक में जिले में विभिन्न परियोजनाओं, बुनियादी सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने हेतु उपयोगी उपायों पर गहन चर्चा की गई। विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध-जनता के हित के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा ऐसा कमेटी में निर्णय लिया।

लोकप्रतिनिधि प्रशिक्षण व महिला सम्मेलन का हुआ आयोजन

महिलाओं को पॉश अधिनियम पर मार्गदर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद के महिला व बाल विकास विभाग की ओर से पारोल 1 में लोक प्रतिनिधि प्रशिक्षण व महिला सम्मेलन उत्साह पूर्वक संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने महिलाओं को सशक्त करने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। यह कार्यक्रम जिला परिषद आशा चव्हाण, पूर्व सभापति व पंचायत समिति सदस्या गीता पाटील, उपसरपंच यज्ञा पाटील, पूर्व उपसरपंच रविंद्र पाटील, ग्राम पंचायत सदस्या कविता भुयाल के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, बाल विकास अधिकारी, पर्यवेक्षिका तथा स्थानिक ग्रामस्थों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में जिला परिषद व पंचायत समिति की विभिन्न योजनाएं, महिलाओं के लिए पॉश (सेक्सुअल उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम, मोबाईल और इंटरनेट उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए तथा प्रौद्योगिकी के उचित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई थी। कार्यक्रम के दौरान संख्य संस्था की शालीनी जाधव, चाइल्ड हेल्थ फाउंडेशन की मेरी वनमाली, बालविकास परियोजना अधिकारी व बीट पर्वेक्षिका दीपा जाधव ने महिलाओं को सशक्तिकरण का महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को प्रेरणादायक संदेश देने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

विशेष रूप से स्त्री भ्रूणहत्या के विरुद्ध जागरूकता के लिए कृतिका पाटील द्वारा प्रस्तुत नाटक उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इस सम्मेलन में बाल गोपाल, सेविका, सहायिका सहित स्थानिक ग्रामीणों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। इस मौके पर आयोजकों ने बोलते हुए कहा कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण और जागरूकता के संदर्भ में सफल रहा है और भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

ट्रैक्टर के धक्के से ई रिक्शा चालक घायल, हालत गम्भीर

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार ट्रैक्टर ने एक ई रिक्शा चालक को चपेट में ले लिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार अकबरपुर जनपद के जलालपुर थाना क्षेत्र के निवासी 50 वर्षीय राजेश कुमार पुत्र ओम प्रकाश चौरसिया सोमवार की दोपहर अपने ई रिक्शा से शाहगंज से हो कर जलालपुर अपने घर जा रहा था कि अभी वह क्षेत्र के चिरैयामोड के पास ही पहुचा था तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसका ई रिक्शा पूरी तरह छतिग्रस्त हो गया और राजेश कुमार बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर पहुँची सरकारी 108 एम्बुलेंस घायल अवस्था में उसे ले कर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुँची जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

यूपी बोर्ड परीक्षा: स्कूलों में प्रवेश पत्र बटना शुरू

◆ वाराणसी में 92 हजार से अधिक परीक्षार्थी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी में माध्यमिक शिक्षा परिषद जुटा हुआ है। बोर्ड की ओर से परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र जारी करते हुए स्कूलों में भेजवा दिया गया है। परीक्षार्थियों में इसका वितरण 10 फरवरी यानी सोमवार से शुरू हो गया। वाराणसी में 10वीं और 12वीं के कुल 92563 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। वाराणसी में 10वीं के 45493 और 12वीं के 47070 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। 126 केंद्रों पर परीक्षा कराई जाएगी। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नियंत्रण कक्ष क्वींस इंटर कॉलेज लहुराबीर में बनाया गया है। परीक्षा के लिए एक लाख से अधिक कापियां आ गई हैं। प्रश्नपत्र भी अगले सप्ताह सभी केंद्रों आ जाएंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक अवध किशोर सिंह ने बताया कि 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र स्कूलों में भेज दिया गया है। सोमवार से परीक्षार्थियों में इसका वितरण शुरू होगा।

प्रभु से बढ़कर कोई और सुख, सम्पदा नहीं: दिलीप कृष्ण भारद्वाज

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के हैदरपुर गांव में आशीष सिंह आशु जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि के यहां चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा वृंदावन की धरती से पधारे श्री दिलीप कृष्ण भारद्वाज महाराज द्वारा क्षेत्रवासियों को सुनाई जा रही हैं आज कथा के दूसरे दिन कथा व्यास ने कहा प्रभु से बढ़कर कोई और सुख और संपदा नहीं भागवत कथा का श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है मनुष्य जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को छोड़ विषय वस्तु को भोगने में लगा हुआ है। वही कथा में सुखदेव महराज जी का आगमन हुआ सुखदेव महाभारत काल के मुनि थे वे वेदव्यास जी के पुत्र थे तथा बचपन में ही ज्ञान प्राप्ति के लिए वन में चले गए थे। इन्होंने ही परीक्षित को श्रीमद् भागवत पुराण की कथा सुनाई थी सुखदेव जी ने व्यास जी से महाभारत भी पढ़ा था और उन्हें देवताओं को सुनाया था यह सारी बातें श्रीमद् भागवत कथा में दिलीप कृष्ण भारद्वाज महराज द्वारा सुनाई गई अंत में आरती और प्रसाद का वितरण हुआ कथा के दौरान पहुंचे पूर्व आयुक्त गौरीशंकर सिंह, ब्लॉक प्रमुख पति महराजगंज विनय सिंह पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह लवकुश वर्तमान मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह, प्रबंधक प्रदीप सिंह, अशोक सिंह, पूर्व प्रधान अरुण सिंह, पत्रकार अमित पाण्डेय उपस्थित रहे वहीं सभी आगंतुकों का स्वागत सत्कार विजय सिंह पप्पू व्यापार मंडल अध्यक्ष हैदरपुर, देवेश सिंह कुंदन ग्राम प्रधान, अजय सिंह, आशुतोष सिंह, संदीप सिंह, संतोष सिंह तथा मुख्य अजमान में वीरेंद्र प्रताप सिंह सरपंच तथा कथा प्रेमी उपस्थित रहे।

वाराणसी में महिला ठगी कर उड़ाए लाखों के जेवर और नकद, पुलिस महकमा छानबीन में लगा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महिला को पूजापाठ की बातों में उलझाकर ठग सोने की अंगूठी, सोने के चार कड़े, 80 हजार रुपये नकदी, कीमती साड़ियां, मोबाइल फोन और दवाइयां लेकर फरार हो गए। पीड़िता को ठगी का आभास हुआ तो होश उड़ गए। महिला ने चेतगंज थाने में तहरीर देकर पुलिस को घटना से अवगत कराया। जौनपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के सकरमंडी धन्नोपुर निवासी रेखा साहू ने पुलिस को बताया कि चार फरवरी को वाराणसी आई थीं। उन्हें कबीरचौरा में अपनी बेटी शालिनी गुप्ता की ससुराल में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होना था। महिला कबीरचौरा जाने के लिए अंधरापुल पर ऑटो ढूंढ़ रही थी। इसी दौरान दो युवक उनसे मिले और पूजा-पाठ की बात करने लगे। दोनों ने उन्हें अपनी बातों में उलझा दिया और उनके हाथ से सोने की दो अंगूठी और सोने का एक कड़ा उतरवाकर उनके बैग में रखवा दिया। उनके बैग में पहले से ही सोने की तीन अंगूठी, सोने का तीन कड़ा, 80 हजार रुपये, कीमती साड़ियां, दवाएं, मोबाइल फोन, आधार कार्ड और अन्य सामान भी रखा था। इसके बाद उन्हें इधर-उधर की बातों में उलझाकर दोनों उनका बैग लेकर भाग गए।

नवागत बीडीओ पीयूष त्रिपाठी ने संभाला कार्यभार, मातहतों के साथ की बैठक

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखंड शाहगंज सोंधी में नवागत खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पीयूष त्रिपाठी ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया पदभार संभालने के बाद उन्होंने ब्लॉक कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कर्मचारियों को ईमानदारी व तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। श्री त्रिपाठी ने कहा कि सरकार की योजनाओं को लाभार्थियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह क्षेत्र का दौरा कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का निरीक्षण करेंगे। वही इस मौके पर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को फाइलेरिया दिवस पर विभिन्न स्कूल के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। तथा फाइलेरिया रोग के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। बताया गया कि एल्बेंडाजोल की गोली पेट के कीड़ों को खत्म करने के साथ-साथ फाइलेरिया से बचाव में भी सहायक होती है। इस दौरान अपील किया गया कि अभिभावक अपने बच्चों को यह दवा जरूर दिलवाएं, ताकि फाइलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव किया जा सके। इस अवसर पर एडीओ एजी धर्मेन्द्र कुमार, जेई शशिकांत कुमार, सचिव राकेश सिंह, मो0 शाहिद, सुजीत कुमार यादव, नरेन्द्र कुमार, कमलाकांत मौर्य, विजय कुमार, प्रेम यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

फाइलेरिया बचाव अभियान का एसडीएम ने किया शुभारंभ

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक में शासन के द्वारा फाइलेरिया से बचाव अभियान का सोमवार को बदलापुर की उपजिलाधिकारी डॉक्टर योगिता सिंह के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अधीक्षक डॉक्टर संजय दुबे सहित चिकित्सकों की मौजूदगी में फीता काटकर शुभारंभ किया गया। सीएचसी अधीक्षक द्वारा बताया गया कि बदलापुर ब्लॉक में फाइलेरिया से बचाव पर एक अभियान चलाया जा रहा है जो की 10 फरवरी से लेकर 25 फरवरी तक चलाया जाएगा। जिसमें आशा आंगनबाड़ी व अन्य टीम गठित की गई है जो घर-घर जाकर 2 साल के ऊपर सभी लोगों को फाइलेरिया दवा की खुराक देते हुए जागरूक करेंगी। मौके पर मौजूद अधीक्षक व डॉक्टर सहित अन्य अधिकारियों द्वारा फाइलेरिया की खुराक ली गई।

प्राथमिकता पर करें स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण: डीएम

शासन की स्मार्टफोन वितरण योजना को लेकर जिलाधिकारी गंभीर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में सोमवार को विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधकों की स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा एक आवश्यक बैठक ली गई। उन्होंने बैठक में शासन की महत्वाकांक्षी योजना स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण की समीक्षा की। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कई कॉलेजों द्वारा स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण में की जा रही शिथिलता को लेकर कहा कि यदि तीन दिनों के अंदर वितरण का डेटा वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन तथा टैबलेट को विद्यार्थियों में समय पर वितरित न करना अपराध की श्रेणी में आएगा जिसके लिए दंड के प्रावधान सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने समस्त कालेजों से आए हुए प्राचार्य एवं प्रबंधकों से इस संबंध में सीधा संवाद किया और एक-एक कर प्रगति की समीक्षा की साथ ही महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी विद्यार्थियों को डिजिटल सशक्त बनाने हेतु स्मार्टफोन और टैबलेट को उन तक पहुंचाने का जिम्मा आप को सौंपा है जिसे प्राथमिकता पर करे है। तीन दिनों के भीतर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करें इसमे एक भी स्मार्टफोन से जुड़ा प्रकरण लंबित न रहे। जौनपुर के सीआरओ अजय कुमार अम्बष्ट ने क्रमवार महाविद्यालयों की सूची प्रस्तुत की जिनके यहां अभी तक स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरित नही हुए हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने सभी प्राचार्य गण से इस बिंदु पर त्वरित कार्यवाही की अपेक्षा की। परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह ने महाविद्यालय से आए हुए समस्त प्रतिनिधिगण से कहा कि आगामी 3 दिवस में सभी पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित कर वेबसाइट पर अपलोड कर दें। कार्यक्रम में स्वागत एवं संचालन जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो.मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल ,उप कुलसचिव अजीत सिंह, संजय सिंह, रजनीश सिंह, राजेश सिंह सहित संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

मोटिवेशनल स्पीकर ने छात्रों को दिया टिप्स

सर सैयद अहमद इंटर कालेज में एग्जाम फोबीया पर सेमिनार का आयोजन

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत सर सैयद अहमद इंटर कालेज में सोमवार को मोटिवेशनल स्पीकर फुरकान मुमताज खान ने छात्र छात्राओं को एग्जाम मे सफल होने के टिप्स दिए। प्रधानाचार्य शाहिद नईम के नेतृत्व में हुए आयोजन में स्पीकर ने कहा कि जीवन मे लक्ष्य का होना आवश्यक है। जिन छात्रों के जीवन मे लक्ष्य नहीं होता उन्हें अलार्म भी नहीं जगा सकता। वहीं टाइम मैनेजमेंट होना आवश्यक है। समय सारणी बना कर परीक्षा की तैयारी करें। पिछले पांच सालो के बोर्ड एग्जाम के प्रश्न पत्र को हल कीजिये। बोर्ड परीक्षा तक मोबाइल से दुरी बना लें। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। परीक्षा के समय अच्छी व पूरी नींद लें। शारीरिक और मानसिक स्वाथ्य का ख्याल रखें। कार्यक्रम के उपरांत प्रधानाचार्य शाहिद नईम ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान फिरदौस फातिमा, तलत रिजवी, आराधना, आशा वर्मा, प्रतिमा सिंह आदि अध्यापक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

कैरियर गाइडेंस मेले का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के सिरकोनी विकासखंड के पीएम प्राथमिक विद्यालय कादीपुर सिरकोनी के प्रांगण में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया मेले का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने किया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने स्टाल लगाकर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया और मेले के उद्घाटन से पूर्व शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया और अंग वस्त्र भेंट किया छात्र-छात्राओं के द्वारा डॉक्टर इंजीनियर और वैज्ञानिकों का रोल प्ले किया गया और लगाए गए स्टाल का खंड शिक्षा अधिकारी ने अवलोकन किया और उनके द्वारा बनाए गए चित्र और लगाए गए स्टॉल को खूब सराहा मेले में आए हुए मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह और ग्राम प्रधान अजय चौहान के साथ प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह योगेंद्र कुमार यादव शालिनी अनुग्रह और गरिमा सिंह और ज्ञान प्रकाश गौतम अमर बहादुर रामकृष्ण विश्वकर्मा नवीन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा विकास खण्ड करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय सिद्दीकपुर, जौनपुर में बच्चों को एल्बेंण्डाजोल की दवा खिलाकर, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का उद्घाटन किया गया। प्राथमिक विद्यालय सिद्दीकपुर, जौनपुर में कुल 97 बच्चों को दवा खिलायी गयी। इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कों निर्देशित किया कि समस्त निजी, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों, मदरसों एवं केन्द्रीय विद्यालयों में 06 से 19 वर्ष तक के सभी छात्र/छात्राओं को तथा स्कूल न जाने वाले बच्चे एवं बच्चियों को आगनवाड़ी केन्द्रों पर एल्बेंण्डाजोल की दवा खिलाया जाना सुनिश्चित करें साथ ही समस्त जनपद एवं ब्लॉक के अधिकारी 1-1 स्कूल का भ्रमण कर अपने सामने बच्चों को दवा खिलायेंगें। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के अन्तर्गत 01 से 19 वर्ष के आयु के सभी बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिये जनपद में कृमि मुक्ति अभियान का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस शहरी एवं ग्रामीण क्षत्रों में मनाया जाना है। अभियान में समस्त आगनवाड़ी केन्द्रों पर आगनवाड़ी कार्यकर्ती के माध्यम से एवं निजी, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों, मदरसों एवं केन्द्रीय विद्यालयों में सभी छात्र/छात्राओं को अध्यापक के माध्यम से एल्बेण्डाजोल खिलाई जायेगी। जनपद में कुल 2391100 बच्चों (01 से 19 वर्ष) को एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान 10 फरवरी 2025 को जिलाधिकरी द्वारा किया गया है। छूटे हुए बच्चों को आच्छादित करने के लिए दिनांक 14 फरवरी 2025 को मॉपअप दिवस आयोजित किया जाना है। उक्त अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी,खण्ड शिक्षा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.राजीव कुमार एवं चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजाकला सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिक्षा से जीवन के ऊंचाई पर पहुंचना सम्भव: रजत

जफराबाद, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा से मनुष्य जीवन के ऊंचाईयों पर पहुंच सकता है। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक रजत जी ने श्री कमलापति पाण्डेय इंटर कालेज जफराबाद के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि आज नारी का शिक्षित होना सबसे आवश्यक है।नारी पूरे समाज को संवार सकती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ मनोज मिश्र ने कहा शिक्षा से समाज की कुरीतियों को खत्म किया जा सकता है। देश का विकास शिक्षा से ही सम्भव है। कार्यक्रम को डॉ सन्दीप पाण्डेय, अतुल सिंह ,प्रकान्त दूबे व अतुल जायसवाल ने भी सम्बोधित किया।अतिथियों ने कालेज प्रांगण में स्थापित संस्थापक के पी पाण्डेय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूवात माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया।विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।इस दौरान कालेज द्वारा आयोजित जनवरी माह में खेलकूद प्रतियोगिता में विजयी कुल 168 छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रबन्धक संजीव पाण्डेय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया तथा संचालन उमाकांत गिरी ने किया प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि आजकल पुरुष प्रधानता वाले क्षेत्रों को भी लड़कियों ने शिक्षा और अपनी प्रतिभा के बल पर पुरजोर चुनौती दी है। इस अवसर पर, रितेश चौबे, उमाशंकर, एमपी यादव, सनाउल्लाह अंसारी, यशवंत राव, वागीश उपाध्याय, ज्ञानकुंवर, अरुण पांडेय, विनय,सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में प्रबन्धक संजीव पाण्डेय ने सभी आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेज रफ्तार कार व ट्रैक्टर में टक्कर, ट्राली पलटी से 4 घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद लाइनबाजार के वाराणसी लखनऊ राजमार्ग पर क्षेत्र के शिवापर गांव के मोड़ पर तेज रफ्तार कार की ट्रैक्टर से टक्कर हो गयी। जिसमे ट्रैक्टर में लगी ईंट लदी ट्राली पलट गई। घटना में कार सवार चार लोगों को मामूली चोट आयी।सभी बाल बाल बच गए। बताया जाता है कि गुजरात के चार लोग कार से महाकुंभ से स्नान करने के बाद वाराणसी काशीविश्वनाथ का दर्शन पूजन किये। उसके बाद सभी अयोध्या जा रहे थे।ऊक्त स्थान पर अचानक ट्रैक्टर से टक्कर हो गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ट्राली व ईंट को हटवाया, तब रास्ता सुचारू रूप से चालू हुआ।

उपनिरीक्षक पर युवक को जहरीला पदार्थ खिलाने का लगा आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना के सुल्तानपुर पट्टीकीरतराय गांव निवासी एक युवक को उपनिरीक्षक द्वारा पुलिस कस्टडी में जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लग रहा है। पट्टीकीरतराय गांव निवासी युवक शमशेर सिद्दीकी उर्फ रोशन को पुलिस कस्टडी में रखा गया था। जहरीले पदार्थ की खाने की सूचना मिलते ही सोशल मीडिया पर युवक का विडियों वायरल हो रहा है। युवक ने आरोप लगाते हुए सुरेरी थाने पर तैनात एक उप निरीक्षक पर जबरन जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाया है। वायरल विडियो में देखा गया है कि युवक अस्पताल में अपना बयान देते हुए डॉक्टर के सामने आरोप लगा रहा है।

निर्धारित समय के बाद भी बेची जा रही है शराब

ओवर रेटिंग अलग से, आबकारी विभाग मौन

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जब प्रशासन ने शराब और बीयर बेचने का समय निर्धारित कर दिया है और शराब और बीयर पर प्रिंट रेट पर ही बेचने का निदेश है उसके बाद भी नगर के कुछ शराब और बीयर शॉप के संचालकों पर कोई असर नही पड़ रहा है। संचालक प्रशासन के आदेशों और निदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए देर तक चोरी चोरी शराब या बीयर की बिक्री कर रहे हैं।ऊपर से प्रिंट रेट से अधिक दामों पर बेच मदिरा प्रेमियों के जेब पर डाका डालने का काम कर रहे हैं। और आबकारी विभाग को इसकी भनक तक नही लग रहीं है।चर्चा है की बिना आबकारी विभाग के मिलीभगत से देर रात तक बीयर बिकना सम्भव नही है। वहीं इन बीयर संचालकों पर कभी जाँच पड़ताल और कार्यवाई न होने से इनका हौसला बुलन्द है।वहीं बुद्धजीवी वर्ग का कहना है की देर रात शराब या बीयर बिकने से कुछ लोग पीकर हुड़दंग करते हैं जिससे रातों में बच्चों की पढाई और सोना दूभर हो जाता है। इस सम्बंध में एक्ससाइज अधिकारी जौनपुर से बात करने पर कहा की ऐसे बीयर शाप पर जांच कर कार्यवाई की जाएगी।

पुलिस टीम के बेहतरीन यातायात प्रबन्धन से तीर्थयात्रियों का मार्ग हुआ सुलभ

जौनपुर। पुलिस टीम के बेहतरीन यातायात प्रबन्धन से तीर्थयात्रियों का मार्ग हुआ सुलभ, सहसों से सम्पर्क मार्गो पर यातायात सुचारु रुप से हो रहा है। संचालित, महाकुम्भ-2025 को सकुशल संपन्न व श्रद्धालुओ के सुगम आवागमन/सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के नेतृत्व में जौनपुर पुलिस टीम सहसों चौहारा प्रयागराज पर मौजूद है। सहसों से प्रयागराज, वाराणसी व जौनपुर जाने वाले मार्ग पर पुलिस टीम द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित किया जा रहा है। कही भी जाम की स्थिति नही है। जौनपुर पुलिस टीम द्वारा सहसों चौहारे पर बेहतरीन यातायात प्रबन्धन किया जा रहा है। जौनपुर पुलिस टीम के आने के उपरान्त सहसों पर जाम नही लग रहा है। तीर्थराज प्रयाग आने जाने वाले यात्रियों का मार्ग निर्विघ्न व सुलभ हो गया है। संगम आने वाले तीर्थयात्री सहसों से यात्री सीधे फाफामऊ पार्किंग चले जा रहा है। संगम से वापस आने वाले तीर्थयात्री जो बनारस जाना चाह रहे है। सीधे बनारस को रवाना किया जा रहा है। पूर्वांचल, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा जाने वाले यात्रियों को जौनपुर से उनके गन्तव्य को रवाना किया जा रहा है। सहसों पर पुलिस टीम के बेहतरीन यातायात प्रबन्धन से यातायात व्यवस्था सुचारु रुप से संचालित हो रही है।

फाईलेरिया रोधी दवा सेवन करने की किया अपील

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार जे0पी0 नड्डा द्वारा सर्वजन दवा सेवा (एम0डी0ए0) प्रोग्राम का उद्घाटन किया गया। जिसका सजीव प्रसारण एन0आई0सी0 सभागार में वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से किया गया। जिसमें उनके द्वारा समस्त जनमानस से फाईलेरिया रोधी दवा सेवन करने की अपील की गयी। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी ने वर्चुअल मीटिंग उद्घाटन के बाद स्वंय दवा का सेवन किया एवं समस्त जनपदवासियों से दवा खाने की अपील की गयी। बैठक में जिलाधिकारी डा0 दिनेशचन्द्र मुख्य विकास अधिकारी, साई तेजा शीलम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साअधिकारी, (वी0बी0डी0), डा0 राजीव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका जिला पुरूष/महिला चिकित्सालय, जिला फाईलेरिया नियन्त्रण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी, राहुल तिवारी (पी0सी0आई0) जिला समन्वयक, डी0सी0पी0एम0, डैम ओजश्वनी सिंह (पाथ) एवं समस्तकर्मचारी /अधिकारीगण आदि उपस्थित रहें। इसी क्रम में अधीक्षक सामु0 स्वा0 केन्द्र बदलापुर डा0 संजय कुमार दूबे, उप जिलाधिकारी, बदलापुर समस्त चिकित्साअधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वंय दवा खाकर अभियान का शुभारम्भ किया एवं विकास खण्ड बदलापुर के सभी जनमानस से अपील किया कि इस अभियान के दौरान 1 वर्ष की उम्र से लेकर सभी लोग इस दवा का सेवन करें। यह कार्यक्रम जनपद के विकास खण्ड बदलापुर में 10 फरवरी 2025 से 25 फरवरी 2025 तक चलाया जायेगा।

स्वर्गीय रामतवंकल मौर्या की पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई गयी

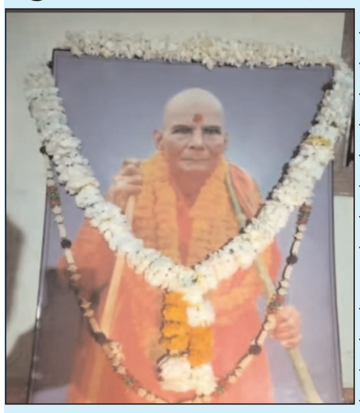

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र स्थित ग्रामसभा मुकुंदीपुर के मुल निवासी श्यामदत्त (मलारे) मौर्या के पिता जी स्वर्गीय रामतवंकल मौर्या का गत 6 फरवरी को चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पन कर श्रद्धा सुमन अर्पित करके श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजली दी गयी. गौरतलब है कि स्वर्गीय रामतवंकल मौर्या बहुत ही सहज,सरल व्यक्तित्व के धनी थे.और उनके पुण्यतिथि पर आयोजित भंडारे मे हजारों की संख्या मे ग्रामवासी भाई बंधु रिस्तेदार एवं दूर दराज के अन्य गण मान्य लोगों की उपस्थिति सराहनीय रही.

कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ भोलानाथ चौहान ने बी के तिवारी का किया सत्कार

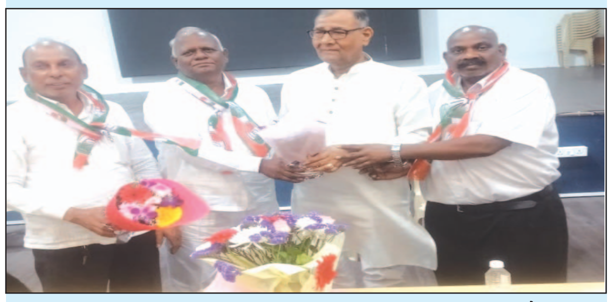

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी का तिलक भवन मे एक बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष हुकूमराज मेहता, जिला निरीक्षक बी के तिवारी उपस्थित थे। दक्षिण मध्य मुंबई जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ भोलानाथ चौहान, कल्पनाथ यादव ने दादर स्थित तिलक भवन में बी के तिवारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जोर दार स्वागत किया। उस शुभ अवसर पर दिपक तलवार, दिपक काले, राजन भोसले, वरिष्ठ नेता राकेश पाण्डेय के उपस्थित में संपन्न हुआ। बता दें वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ भोलानाथ चौहान समाज सेवक के साथ- साथ भ्रष्टाचार के विरुद्ध बुलंद आवाज उठाने वाले आम आदमी और गरीब, लाचार, दबे लोगों के लिए समाज के हक की लड़ाई लड़ने वाले उत्तर भारतीय समाज का नेतृत्व तेजतर्रार व भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले पहले समाज सेवी हैं। और कई वर्षों से कांग्रेस पार्टी के सेव में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज सेवा के साथ - साथ डाक्टर पेशे से भी जुड़े हैं।

धूमधाम से संपन्न हुआ श्री रामजानकी महोत्सव

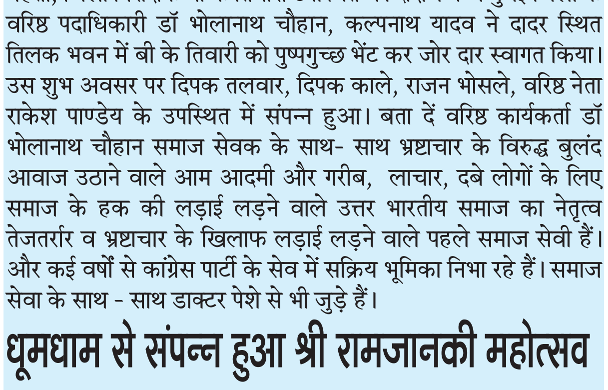

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ रानीगंज रानीगंज नगर पंचायत क्षेत्र के बरहदा में स्थापित श्री रामजानकी मंदिर, क्षेत्र में आस्था का पर्याय बना है। मंदिर के संस्थापक पंकज मिश्र के नेतृत्व में यहाँ प्रतिवर्ष मंदिर का स्थापना दिवस श्री रामजानकी महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम व महाप्रसाद के साथ महोत्सव का समापन हुआ। शनिवार को धार्मिक अनुष्ठान व हवन पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। समापन दिवस पर क्षेत्रीय प्रतिभाओ को आगे बढ़ाने के लिए कई विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुति की गई' जिसमे पीडीएस एकेडमी रस्तीपुर, ए.बी. पब्लिक स्कूल कैलीडीह, ज्ञानोदय विद्या मंदिर बीरापुर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रो के युवाओं व उत्कृष्ट व्यक्तित्व को सम्मनित भी किया गया। वक्ताओ ने बच्चों के प्रतिभाओ को ऐसा मंच प्रदान करने पर आयोजक पंकज मिश्र के इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विधायक सदर राजेंद्र मौर्या, पूर्व विधायक अभय कुमार धीरज ओझा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, गड़वारा चेयरमैन सचिन सिंह शोलू, ओम प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. नीरज त्रिपाठी, प्रमुख सत्यम ओझा, अनिल त्रिपाठी, समाजसेवी रोशनलाल उमर वैश्य, मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय , मुंबई के वरिष्ठ समाज सेवी रत्नाकर मिश्रा, भाजपा नेता सुरेश दुबे, रवि तिवारी सहित लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक पंकज मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई। रविवार को आमदार कोपरी-पाचपखडी, महाराष्ट्र राज्य उपमुख्यमंत्री, नगरविकास गृहनिर्माण, सार्वजनिक बांधकाम महाराष्ट्र राज्य मंत्री एकनाथ गंगूबाई संभाजी शिंदे को जन्मदिन पर जिल्हा ठाणे में शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह,समाचार 9 ब्युरो चीफ व भाजपा उपाध्यक्ष उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई हरिकेश जैसवाल सहित अन्य लोग मौजुद रहे। एकनाथ शिंदे ने आए हुए सभी मेहमानो को अल्पाहार से धन्यवाद ज्ञापित किया।

ओला इलेक्ट्रिक ने ऑल न्यू रोडस्टर एक्स सीरीज की घोषणा की

पटना। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनीए ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी रोडस्टर एक्स सीरीज के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल सेगमेंट में प्रवेश किया। ये मोटरसाईकल बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ राईडिंग का रोमांचक अनुभव प्रदान करती हैं। कंपनी के स्केलेबल मोटरसाईकल प्लेटफॉर्म पर बनाई गई रोडस्टर एक्स सीरीज में रोडस्टर एक्स को 74,999 रुपये, 4.5 केडब्लूएच रोडस्टर एक्स प्लस को 1,04,999 रुपये और 9.1 केडब्लूएच रोडस्टर एक्स प्लस (4680 भारत सेल के साथ) को 1,54,999 रुपये में बाजार में उतारा गया है। ये हर चार्ज में 501 किलोमीटर की बेहतरीन रेंज प्रदान करती हैं।

कुर्ला अवेंजर रनर अप और घाटकोपर सुपर किंग बनी विजेता

मुंबई (उत्तर शक्ति)। शनिवार को प्रभादेवी वर्ली स्पोर्ट्स मुंबई में बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित इरश्र प्रीमियर लीग 2025 सीजन 2 शहीद झुरी बिंद ट्रॉफी का आयोजन किया गया था। जिसमे 12 टीमों ने भाग लिया वर्ली ब्लास्टर , कुर्ला अवेंजर्स , बदलापुर , विद्याविहार रॉयल, विक्रोली एक्सप्रेस , थाने लायंस , टीटवाला इंडियंस ,जोगेश्वरी राइडर ,वसई टाइटन , सूरत स्ट्राइकर ,परेल सुपर, सभी टीमों के खिलाड़ियों ने अपने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी से जनता का खूब मनोरंजन किया। जहां अच्छे गेंदबाजों ने अपने फिरकी तेज धारदार गेंद बाजी से बल्लेबाजों के छक्के छुड़ा रहे थे और हैट्रिक विकेट लेते रहे वही पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए बल्लेबाजों ने गगन चुम्मी चौकों छक्कों की झड़ी लगा दी। ग्राउंड पर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा वर्ली स्पोर्ट्स ग्राउंड गूंज उठ रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे आम क्रिकेट नहीं बल्कि आईपीएल और टी 20 जैसे इंटरनेशनल खेल खेले जा रहे हैं। सुबह से लेकर शाम 6:00 बजे तक जनता का आवागमन चालू रहा और पूरे ग्राउंड भीड़ से खचाखच भरी वर्ली स्पोर्ट्स ग्राउंड मनोरंजन का भरपूर आनंद लेते हुए बिंद समाज विकास संघ के इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। 11,घाटकोपर सुपर किंग जिसमे दो लीग मैच जीतकर सेमीफइनल मे वर्ली से कड़ी मुकाबले मे जीत हासिल कर फाइनल मैच मे कुर्ला अवेंजर्स को हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया। घाटकोपर सुपर किंग प्रथम स्थान, कुर्ला अवेंजर द्वितीय स्थान, वर्ली ब्लास्टर तृतीय स्थान प्राप्त किया। घाटकोपर टीम के कप्तान प्रदीप कुमार बिंद ने संघ कि सराहना करते हुए कहा की यह जीत टीम की ही नही बल्कि समाज की जीत है हम सब एक है। यह प्रतियोगिता सिर्फ खेल के लिए युवावो को जोड़ने के आयोजन से किया जाता है। उन्होंने सभी टीमों को बधाई देते हुए संघ के कार्यकताओं और सदस्यों की खूब तारीफ की।

ब्रिलियंट क्लासेज का दसवीं विद्यर्थियो का विदाई समारोह संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में प्वाइंट पार्क सेंटर होटल के पहले मंजिल पर ब्रिलियंट क्लासेज का दसवीं विद्यार्थियों का विदाई समारोह9 फरवरी 2025 को पाइंट सेंटर होटल में विदाई समारोह 2024-2025 एक यादगार आयोजन साबित हुआ। आयोजित कार्यक्रम में राहुल, शिक्षक उमेश दुबे, ब्रिजेश शुक्ला, रविन्द्र, शिक्षक दुबे की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विश ेष बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन राहुल सर ने किया। अपने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक मूल्यों पर जोर दिया गया । विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया ।ब्रिलियंट क्लासेज 2024-2025 का आयोजन एक यादगार आयोजन साबित हुआ। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए एक मनोरंजनकारी अनुभव था, बल्कि यह उनके लिए एक प्रेरणादायक अवसर भी था।

टाइम्स ग्रुप ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2025, 15 और 16 फरवरी को

मुंबई। टाइम्स ग्रुप का ET NOW ग्लोबल बिजनेस समिट अपने 9वें संस्करण के लिए वापस आ गया है, जो एशिया के प्रमुख विचार नेतृत्व मंच के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। इवॉल्व, इमर्ज, एक्सपैंड, थीम के तहत आयोजित 2025, 15-16 फरवरी 2025 को नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में होगा। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं, नीति निमार्ताओं और उद्योग के अग्रदूतों की एक अद्वितीय सभा होने का वादा किया गया है, जो वैश्विक आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य को नया रूप देने वाले महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने वाले विचारक एक साथ आएंगे, जिनमें जॉर्डन की महारानी रानिया अल अब्दुल्ला भी शामिल हैं, जो शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और स्थिरता पर अपना दृष्टिकोण साझा करेंगी, सामाजिक प्रभाव और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में नैतिक नेतृत्व की भूमिका पर जोर देंगी, ऐसे समय में जब वैश्विक विकास न्यायसंगत प्रगति पर निर्भर करता है। उनके साथ राष्ट्रमंडल महासचिव माननीय पेट्रीसिया स्कॉटलैंड केसी भी शामिल होंगी, जो बहुपक्षीय सहयोग, आर्थिक लचीलापन और समावेशी विकास में अपनी विशेषज्ञता लाएँगी, और इस बात पर विचार करेंगी कि राष्ट्रमंडल के भीतर रणनीतिक सहयोग कैसे टिकाऊ और समावेशी विकास को बढ़ावा दे सकता है, क्योंकि राष्ट्र जटिल आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। प्रतिष्ठित वक्ताओं में फेडएक्स के अध्यक्ष, सीईओ और निदेशक मंडल के सदस्य राज सुब्रमण्यम भी शामिल होंगे, जो वैश्विक व्यापार, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर एक दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य प्रदान करेंगे, तथा इस बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे कि भू-राजनीतिक तनावों, डिजिटल व्यवधानों और उपभोक्ता अपेक्षाओं के कारण अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य में तेजी से हो रहे बदलावों के मद्देनजर व्यवसाय किस प्रकार चपलता और दक्षता का निर्माण कर सकते हैं। वैश्विक सीईओ, नीति निमार्ताओं और दूरदर्शी विचारकों को एक साथ लाकर, 2025 ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट केवल चर्चा से आगे बढ़कर कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि विकसित करने, प्रभावशाली सहयोग को बढ़ावा देने और खेल-परिवर्तनकारी दृष्टिकोणों को जन्म देने का काम करेगी, जो महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यवसायों और नीति निमार्ताओं को एक साथ लाकर वैश्विक अर्थशास्त्र और व्यवसाय के भविष्य को परिभाषित करेगी।

स्वच्छ और सुंदर समुद्र तट जरूरी: स्नेहा दुबे

वसई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार जिलाऔर बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ प्रदेश संयोजक सुशील कुमार उगले और जिला संयोजक सोनी अरोरा ने नरवीर चिमाजी सहकारी अस्पताल वसई, आई वार्ड समिति वसई-विरार नगर निगम, स्वच्छता दूत और वसई में सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान आज सुबह सुरुचि बीच वसई पश्चिम में सुरुचि बीच को स्वच्छ सुंदर बनाने हेतु बीच सफाई अभियान लागू किया।

इस गतिविधि में वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित,भाजपा प्रदेश सचिव अपर्णा पाटिल, जितेंद्र पाटिल, सुशील ओगले, संतोष काकड़, हरीश बेदी, भाजपा पदाधिकारी नरेंद्र सोनी, सोनी अरोरा, मीरा रावल और कार्यकर्ता, पत्रकार बंधु और स्वच्छता राजदूतों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वच्छ सुंदर बीच बनाने के लिए योगदान एवं समुद्रतट सफाई के लिए मशीन का उद्घाटन आमदार सो स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। इस पहल से वसई की प्राकृतिक सुंदरता और स्वच्छता को बल मिलेगा। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित और महाराष्ट्र प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी अपर्णा पाटिल ,सोनी अरोरा ने सभी को बताया कि आइए स्वच्छता की आदत डालें, आइए एक सुंदर घर बनाएं और अपना सुरुचि बीच को स्वच्छ सुंदर बनाने में मदद करे।

मूल्यांकन अनियमितताओं की जांच की मांग, शिक्षकों ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ ने परीक्षा मूल्यांकन में हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कुलपति प्रो. वंदना सिंह को ज्ञापन सौंपा।इसके साथ ही, शिक्षकों ने जीपीएफ कटौती को अनिवार्य रूप से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया।संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह और महामंत्री डॉ. निलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में परीक्षा मूल्यांकन और परीक्षक भुगतान में कई अनियमितताएँ देखने को मिली हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही, जो भी अधिकारी या कर्मचारी इस गड़बड़ी में शामिल पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शिक्षकों ने यह भी मांग रखी कि विश्वविद्यालय उन महाविद्यालयों को परीक्षा केंद्र न बनाए जहाँ अनुमोदित प्राचार्य नहीं हैं। साथ ही, ऐसे महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का परीक्षा फॉर्म भी स्वीकार न किया जाए, जहाँ अनुमोदित प्राध्यापक नियुक्त नहीं हैं। इसके अलावा, शिक्षकों ने जीपीएफ कटौती को अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की, जिससे शिक्षकों को भविष्य में आर्थिक सुरक्षा मिल सके।कुलपति ने दिया आश्वासन कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक के साथ भेदभाव नहीं होगा और उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा। इस दौरान, शिक्षकों ने परीक्षा एवं प्रयोगात्मक परीक्षा मूल्यांकन को समय पर संपन्न कराने के लिए परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह और डिप्टी रजिस्ट्रार अजीत प्रताप सिंह का आभार व्यक्त किया। दोनों अधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. राजू श्रीवास्तव, डॉ. सलीम खान, डॉ. पिंटू गुप्ता, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. आशा

रोल्स रॉयस ने भारत में घोस्ट सीरीज II लॉन्च की

मुंबई। रोल्स-रॉयस ने भारत में घोस्ट सीरीज II का अनावरण किया अब तक का सबसे तकनीकी रूप से उन्नत और ड्राइवर-केंद्रित वी 12 रोल्स-रॉयस। घोस्ट सीरीज क्क अब रोल्स-रॉयस के चेन्नई शोरूम में ऑर्डर करने के लिए उपलब्ध है। नया बाहरी स्टाइल भूत के मूलभूत डिजाइन का एक प्रभावशाली विकास हैक एक असम्बद्ध जुड़वां-टर्बोचार्ज्ड इंजन सहित इसके दिल में ड्राइविंग के साथ निर्मित इसमें प्लानर सस्पेंशन सिस्टम, फ्लैगबियरर और सैटेलाइट एडेड ट्रांसमिशन सिस्टम शामिल हैं जो ड्राइवर-ओरिएंटेड चेसिस को रेखांकित करते हैं। नए स्पिरिट डिजिटल इंटरफेस और व्हिस्पर्स प्राइवेट मेंबर्स ऐप को एकीकृत किया उन्नत ऑडियो प्रणाली, इंटरनेट कनेक्टिविटी और वीडियो स्ट्रीमिंग कार्य घोस्ट एक्सटेंडेड सीरीज क्क रचनात्मकता के लिए एक और भी बड़े कैनवास का प्रतिनिधित्व करता है ब्लैक बैज घोस्ट सीरीज II और घोस्ट सीरीज II एक्सटेंडेड लॉन्च से कमीशन के लिए उपलब्ध हैं। रोल्स-रॉयस मोटर कार्स के इतिहास में सबसे लोकप्रिय नेमप्लेट का नवीनतम विकास, घोस्ट सीरीज II, अब भारत में उपलब्ध है। एक शक्तिशाली, चालक-उन्मुख और सुरुचिपूर्ण प्रस्तुति, भूत के अखंड और आत्म-आश्वस्त बाहरी रूप का सूक्ष्म विकास बेस्पोक कमीशन के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करता है। अपनी पसंद का विस्तार करने के लिए, ग्राहकों के पास अब इंटीरियर फिनिश और घोस्ट पर पहले कभी उपलब्ध नहीं होने वाली सुविधाओं के साथ-साथ उन्नत सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों तक पहुंच है जो बेस्पोक को डिजिटल दुनिया में प्रवेश करते हुए देखते हैं। रोल्स रॉयस मोटर कार्स की एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय निदेशक आइरीन निक्केन ने कहा, हमारे ग्राहक वास्तव में घोस्ट की हैंडलिंग क्षमताओं और बेस्पोक के लिए इसकी क्षमता की सराहना करते हैं। घोस्ट सीरीज II अपने सिद्धांतों के प्रति वफादार रहती है, फिर भी यह अपनी उपस्थिति के हर पहलू को ऊपर उठाती है। यह अब तक बनाई गई सबसे तकनीकी रूप से उन्नत और चालक-केंद्रित वी12 रोल्स-रॉयस है, और इसकी आत्म-आश्वस्त उपस्थिति रचनात्मक रूप से साहसी कमीशन के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करती है-जो इसे सही चालक-केंद्रित टूरिंग मशीन बनाती है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उज्ज्वला समिति की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उज्ज्वला समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में उज्ज्वला समिति के नोडल अधिकारी/आई0ओ0सी0एल0 (एल0पी0जी0) के विक्रय प्रबन्धक रामराज द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में आई0ओ0सी0एल0 के 2570, एच0पी0सी0एल0 के 01 एवं बी0पी0सी0एल0 के 6305 कुल-8876 ऐसे लाभार्थी है। जो उज्ज्वला कनेक्शन प्राप्त करने के पश्चात रिफिल प्राप्त नहीं कर रहें है। भारत सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा यह निर्देश दिये गये है कि इन उपभोक्ताओं का अनिवार्य रूप से पुनः बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कराया जाये। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ऐसे लाभार्थियों का विकास खण्डवार/ग्राम पंचायतवार चिन्हांकन करते हुए उनका बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण 15 दिवस के अन्दर सुनिश्चित किया जायेगा । उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अम्बष्ट, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राम अक्षयबर चौहान, जिला पूर्ति अधिकारी, उज्वला के नोडल अधिकारी रामराज, बी0पी0सी0एल0 के विक्रय प्रबन्धक समर्थ गुप्ता उपस्थित रहे।

टाटा इंस्टीट्यूट में जैनाचार्य द्वारा वैश्विक स्तर पर होने वाले भेदभाव का पदार्फाश किया जाएगा

मुंबई। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में पहली बार सोशल साइंस, वैश्विक राजनीति और अन्य विषयों के प्रसिद्ध विद्वानों के बीच भगवान महावीर के 79वें पट्टधर, जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी महाराजा (पंडित म. सा.) का प्रवचन आयोजित किया जाएगा। इस प्रवचन का विषय होगा वर्तमान विश्व व्यवस्था में किए जा रहे भेदभाव और अन्याय के मूल कारण।द्र इस विषय पर जैनाचार्यश्री अपनी गहन दृष्टि से प्रकाश डालेंगे।

वास्तव में, वैश्विक स्तर पर असमानता, अन्याय और भेदभाव को बनाए रखने वाले तत्त्वों ने खुद को छिपाने के लिए विभिन्न मोहरे, भ्रामक प्रचार और असत्य विचारधाराओं को फैलाया है। इसी कारण आज के प्रमुख प्रचार माध्यमों में भेदभाव के मूल कारणों के रूप में कुछ सतही तत्त्वों को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। जैनाचार्यश्री इन भ्रामक प्रचार तकनीकों का पदार्फाश करेंगे और भेदभाव एवं असमानता फैलाने वाले मूल तत्त्वों का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे। वैश्विक स्तर पर हाहाकार मचाने वाले भेदभाव और असमानता को छिपाने के लिए उनकी स्थापित शक्तियों ने भेदभाव और असमानता की परिभाषाओं और उनकी प्रस्तुति को भी विकृत कर दिया है। इस विकृति का भी सही स्पष्टीकरण और वास्तविक रूप जैनाचार्यश्री उजागर करेंगे। जैनाचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी महाराजा न केवल जैन शास्त्रों बल्कि अन्य धर्मशास्त्रों, आधुनिक विज्ञान, वैश्विक राजनीति और समाज विज्ञान के गहरे ज्ञाता हैं। उन्होंने कई बार प्रतिष्ठित विद्वानों को सटीक मार्गदर्शन देकर आश्चर्यचकित किया है। 13 फरवरी को टाटा इंस्टीट्यूट में भी वे कई विशेषज्ञों और विचारकों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

यथार्थ ने संत ज्ञानेश्वर की समाधिस्थ स्थली आलन्दी का दर्शन कर मनाया जन्मदिन

नवी मुम्बई। संत ज्ञानेश्वर की समाधिस्थली आलन्दी पुणे के खेड तहसील अन्तर्गत इन्द्रायणी नदी के तट पर स्थित है जहां प्रतिदिन सैकडों शादियां उन्हें साक्षी मानकर सम्पन्न होती हैं ।बारकरी सम्प्रदाय के लोग उन्हें जीवित समझकर पूजते हैं । ज्ञानेश्वरी ग्रंथ उनकी महान रचना है ।इस स्थल पर मेला जैसा माहौल हमेशा बना रहता है। कु0 यथार्थ के अभिभावक सिंह परिवार ने इस बार पुणे से 22 किलोमीटर दूर स्थित आलन्दी जो संत ज्ञानेश्वर की समाधिस्थल है का दर्शन करने के उपरांत शाम अपने नवी मुम्बई स्थित घनसौली में जन्मदिन पर सुन्दरकाण्ड पाठ ,भजन-कीर्तन रखा और परम्परागत तरीके से जन्मदिन मनाकर सभी से स्वस्थ जीवन, दीघार्यु की कामना व आशिर्वाद लेकर जन्मदिन मनाया ।